छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 29 ■ अम्बिकापुर, शनिवार 17 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ के 'शिमला' मैनपाट में पर्यटकों के लिए बनेगा सर्वसुविधायुक्त आवासीय परिसर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थल एवं 'शिमला ऑफ छत्तीसगढ़' के नाम से विख्यात मैनपाट में पर्यटन एवं आवास विकास को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। कलेक्टर, सरगुजा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के आदेश दिनांक 14.01.2026 के अंतर्गत मैनपाट क्षेत्र में 4.80 हेक्टेयर (12 एकड़) भूमि अटल विहार योजना के लिए छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आबंटित की है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त भूमि पर प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप एक सर्वसुविधायुक्त, बहुउपयोगी पर्यटन एवं आवासीय परिसर का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य मैनपाट आने वाले पर्यटकों को गुणवत्तापूर्ण आवास, आधुनिक सुविधाएं एवं बेहतर ठहराव व्यवस्था उपलब्ध कराना है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय प्रदेश के मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में, सरगुजा जिले के प्रभारी मंत्री एवं आवास एवं

पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी तथा पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के प्रयासों से संभव हो सका है। यह पहल मैनपाट में निरंतर बढ़ रही पर्यटकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए की गई है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित परिसर में केरल की तर्ज पर आधुनिक वेलनेस सेंटर विकसित किया जाएगा, जिसमें पंचकर्म चिकित्सा, हर्बल स्पा एवं आयुष आधारित सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही पर्यटकों के लिए 24/7 क्लब हाउस, मिलेट्स कैफे, जिम, स्विमिंग पुल, किड्स प्ले एरिया, स्टीम बाथ एवं एंटरटेनमेंट जोन की सुविधाएं रहेंगी। पर्यावरण संतुलन को ध्यान में रखते हुए ट्री हाउस एवं कॉटेज का निर्माण किया जाएगा, जिससे पर्यटक मैनपाट की स्थानीय संस्कृति, परंपरा एवं जनजीवन को नजदीक से अनुभव कर सकेंगे। सिंह देव ने कहा कि इस परियोजना से मैनपाट क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे तथा आवासीय एवं आधारभूत संरचना के विकास को गति मिलेगी। किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाओं से पर्यटकों का ठहराव बढ़ेगा, जिससे हॉस्पिटलिटी सेक्टर और स्थानीय उद्यमिता को मजबूती मिलेगी।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मैनपाट छत्तीसगढ़ का एक विशिष्ट पर्यटन स्थल है। यहां पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आवास, वेलनेस एवं आधुनिक सुविधाओं का विकास अत्यंत आवश्यक है। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की यह परियोजना पर्यटन, आवास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगी तथा मैनपाट को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करेगी। पर्यटन मंत्री एवं विधायक अंबिकापुर राजेश अग्रवाल ने कहा कि मैनपाट में आधुनिक पर्यटन एवं आवासीय परिसर का निर्माण राज्य में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इससे पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और हॉस्पिटलिटी सेक्टर को मजबूती प्राप्त होगी। विधायक सीतापुर रामकुमार टोप्पो ने कहा कि यह परियोजना मैनपाट क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। अध्यक्ष छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अनुराग सिंह देव ने कहा है कि मैनपाट में प्रस्तावित यह परियोजना राज्य में पर्यटन एवं आवास विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सिद्ध होगी और आने वाले समय में मैनपाट को एक प्रमुख राष्ट्रीय पर्यटन के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएगी।

कार सवारों ने सरेराह युवती का किया अपहरण, चंद घंटे में 4 अंतर्राज्यीय अपराधी गिरफ्तार

शादी का प्रस्ताव ठुकराने से नाराज था विवाहित युवक, मारकर फेंक देने की दे रहे थे धमकी

■ गांधीनगर और मनेन्द्रगढ़ थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कराया था नाकेबंदी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। अपहरण के मामले में सरगुजा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद घंटे के भीतर युवती को बरामद कर लिया और 04 अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में थाना गांधीनगर एवं थाना मनेन्द्रगढ़ पुलिस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए यह सफलता अर्जित की है। अपहरण की सूचना पर जिला मुख्यालय के सभी वाह्य मार्गों सहित अन्य सीमावर्ती जिले के थाना क्षेत्रों में नाकेबंदी की गई थी। पुलिस ने अपहरणकर्ता को बीच रास्ते में ही कब्जे में ले लिया और आरोपियों के कब्जे से युवती को सही-सलामत बरामद कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार एवं चार मोबाइल फोन को जप्त कर लिया है। युवती के द्वारा पूर्व से विवाहित युवक से शादी करने से इन्कार करने पर अन्य साथियों के साथ मिलकर अपहरण की घटना को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया था।

जानकारी के मुताबिक हीरालाल साहू निवासी फुन्दुरडिहारी तुर्रापानी ने थाना गांधीनगर में 15 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसके मकान में एक युवती करीब 15 दिन पूर्व से किराए में रह कर पास में ही काम करती थी। 15 जनवरी की शाम को जब वह घर में था, उसी समय एक युवती का अपहरण हो गया है, का शोर सुनकर जब वह अपने घर से बाहर निकला तो आस-पास के लोग बताए कि उनके यहां किराए के मकान में रहने वाली युवती को कुछ लोग घर के पास से रास्ता रोककर जबरन कार में बैठाकर ले गए हैं। युवती के चिल्लाने एवं बचाने के लिए लगाई गई आवाज को आस-पास के लोगों ने देखा और सुना था। कुछ लोग उक्त कार का पीछा भी किए, कार सवार व्यक्तियों के द्वारा सरगवां, सकालो रोड की ओर युवती को लेकर भागना बताया गया। घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार का क्रमांक एमपी 13 सीसी 4342 होना बताया गया। किसी अनहोनी की आशंका पर मकान मालिक हीरालाल साहू ने थाना गांधीनगर में इसकी जानकारी दी, पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 126(2), 140(2), 3(5) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज करके विवेचना मे लिया था और घटना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया था। मामला संज्ञान में आने पर लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल द्वारा पुलिस टीम को त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के भागने के हर संभावित रास्तों पर कड़ी नाकेबंदी लगाने के निर्देश दिए थे। पुलिस टीम घटना स्थल का निरीक्षण करके मौके का सीसीटीव्ही फुटेज अवलोकन की तो सामने आया कि कुछ व्यक्ति अपहृत युवती को जबरन कार में बैठा रहे हैं।

पुलिस को देखकर रोने लगी युवती

अपहृता की पतासाजी के दौरान पुलिस टीम द्वारा साइबर सेल से युवती के संबंध में तकनीकी जानकारी प्राप्त की तो युवती को कोरिया मनेन्द्रगढ़ रास्ते की ओर होना पाया गया, इसके आधार पर पुलिस टीम ने उक्त कार का पीछा करते हुए अन्य जिलों को भी कंट्रोल रूम के माध्यम से फोन व वायरलेस से अलर्ट करके नाकाबंदी कराया गया। इसी क्रम में कार सवारों को थाना मनेन्द्रगढ़ स्टाफ के द्वारा नाकाबंदी करके रोका गया। कार में सवार युवती पुलिस को देख कर रोने लगी, तब पुलिस टीम सवार व्यक्तियों को गाड़ी के साथ पकड़कर थाना मनेन्द्रगढ़ लाए। इसके बाद पीछे से पहुंची थाना गांधीनगर पुलिस टीम ने अपहृता से घटना के संबंध में जानकारी ली और चारों कार सवारों को अपनी सुपुर्दगी में ले लिया।

जान-पहचान होने पर रखा था शादी का प्रस्ताव

अपहृता का महिला अधिकारी ने कथन लिया, तो वह बताई कि रामप्रसाद एवं अन्य 03 व्यक्ति उसको जबरन खींचकर कार में बैठाए और जान से मारकर फेंक देने की बात कह रहे थे। आरोपी रामप्रसाद ने पूछताछ में बताया कि वह शादीशुदा है। कुछ वर्ष पूर्व युवती से उसका जान-पहचान हुआ था, और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे थे। आरोपी ने युवती के समक्ष शादी करने का प्रस्ताव रखा था। युवती को जब उसके शादीशुदा होने की जानकारी मिली तो वह शादी करने से इन्कार कर दी थी। इसी बात को लेकर आरोपी रामप्रसाद नाराज होकर अपने जान-पहचान के अन्य 03 व्यक्तियों को मध्य प्रदेश से साथ लेकर एक अन्य जान-पहचान के व्यक्ति से कार लेकर अंबिकापुर आया और घटना दिनांक को युवती को अपहरण करके ले जा रहा था।

इन आरोपियों को जेल भेजी पुलिस

रामप्रसाद तंवर 32 वर्ष निवासी भवानीपुरा थाना भोजपुर जिला राजगढ़ मध्य प्रदेश, लाल चंद्र पिता मदन लाल 26 वर्ष निवासी भौईकला थाना वालंता जिला जलावड मध्य प्रदेश, कमलेश तंवर पिता अमर सिंह 19 वर्ष निवासी राजगढ़ मध्य प्रदेश, भंवर लाल पिता राम सिंह 22 वर्ष निवासी विडीवैड थाना भोजपुर जिला राजगढ़ मध्य प्रदेश। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्वीफ्ट कार एवं 04 मोबाइल फोन जप्त किया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से इन्हें जेल भेज दिया गया।

कार्रवाई में ये रहे सक्रिय

कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, सहायक उप निरीक्षक सुभाष ठाकुर, प्रधान आरक्षक रविन्द्र नाथ तिवारी थाना मनेन्द्रगढ़, महिला आरक्षक प्रिया रानी, आरक्षक विकास सिंह, रमन मण्डल, घनश्याम देवांगन, राहुल सिंह, कुंदन पाण्डेय, अतुल शर्मा, अरविन्द उपाध्याय, ऋषभ सिंह सक्रिय रहे।

रिहायशी इलाकों में असामाजिक गतिविधियां, चारपहिया वाहनों में हूटर लगा कर रहे स्टंटबाजी

आजाद सेवा संघ ने एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर की प्रभावी कार्रवाई की मांग

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर की यातायात व्यवस्था को चुनौती देने वाली 'स्टंटबाजी' और रिहायशी इलाकों में बढ़ती असामाजिक गतिविधियों को देखते हुए आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा ने सरगुजा जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर शहर की शांति व्यवस्था बहाल करने हेतु त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की मांग की। संघ द्वारा बताया गया है कि विगत वर्ष स्कूली छात्र-छात्राओं के द्वारा स्कूल में आयोजित विदाई समारोह कार्यक्रम में चारपहिया वाहनों के साथ काफिला के साथ इमरजेंसी सायरन, हूटर का उपयोग करके सामने आए थे। इसकी पुनरावृत्ति नए वर्ष में न हो, इस पर प्रभावी कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने बताया है कि वर्तमान में शैक्षणिक सत्र की समाप्ति होगी और स्कूलों में विदाई समारोह जैसे आयोजन होंगे। नाबालिग और युवा छात्र गाड़ियों का काफिला के बीच तेज रफ्तार में सफर न करें, ओवरटेकिंग और सड़कों के बीच खतरनाक स्टंट जैसी हरकत न करें, इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश स्कूल प्रबंधन को दिए जाने की जरूरत हैं। निजी वाहनों में अवैध तरीके से लगाए जाने वाले इमरजेंसी सायरन और हूटर का उपयोग प्रतिबंधित किया जाना भी जरूरी है। ऐसे काफिले के कारण अक्सर गंभीर मरीजों को ले जा रही एम्बुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनें घंटों जाम में फंसे रह जाती हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मोटर यान अधिनियम की तहत दोषियों और इनके अभिभावकों के विरूद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करते हुए अवैध सायरन व हूटर लगे वाहनों को जब्त किया जाए। आजाद सेवा संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि आगामी विदाई समारोहों के दौरान सड़कों पर अराजकता का माहौल देखने को मिलता है तो संघ जनहित में उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान नितिश पटेल, सक्षम कश्यप, उत्कर्ष पांडे, अभिजीत उपस्थित रहे।

गांधीनगर थाना क्षेत्र में अपराध का ग्राफ बढ़ा

ज्ञापन में गांधीनगर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया गया है। रचित मिश्रा ने एसएसपी को अवगत कराया कि थाना क्षेत्र के रिहायशी इलाकों में वर्तमान में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा काफी बढ़ गया है। देर रात नशीले पदार्थों का सेवन कर गलियों में हुड़दंग मचाना, स्थानीय निवासियों के घरों की घंटी बजाकर भागना और महिलाओं व बुजुर्गों के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग करना आम हो गया है। क्षेत्र में हाल ही में हुई बड़ी वारदातों के मद्देनजर नागरिकों में भय व्याप्त है। संघ ने मांग की है कि रात्रि 10 बजे के बाद क्षेत्र के आंतरिक मार्गों और मोहल्लों में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने इन मांगों को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए आश्वस्त किया कि शहर की यातायात व्यवस्था और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने तत्काल संबंधित थाना प्रभारियों को 'सरप्राइज चेकिंग' और सख्त कार्रवाई हेतु निर्देशित करने की बात कही है।

गुदरी बाजार में टमाटर खरीद रहा युवक गिरकर अचेत हुआ, हुई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। गुदरी बाजार में टमाटर लेने के लिए झुका युवक अचानक गिरकर अचेत हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम पतराटोली सलका का रामलखन चैधरी पिता शिवबालक चैधरी 37 वर्ष, गुरूवार को अपरान्ह करीब 3.30 बजे अपने घर में अंबिकापुर जाने और गुदरी बाजार से सब्जी लेकर आने की बात कहकर निकला था।

भौतिक सत्यापन में 3260 क्विंटल धान कम पाया गया, सिद्धि विनायक राइस मिल सील

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में धान उपार्जन एवं विपणन व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही जांच के तहत दिनांक 08 जनवरी 2026 को विकासखंड दरिमा स्थित सिद्धि विनायक राइस मिल (पंजीयन क्रमांक एमए 399690) का जिला खाद्य अधिकारी एवं जिला विपणन अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से भौतिक सत्यापन किया गया।

भौतिक सत्यापन के दौरान खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में उठाव किए गए धान के भंडारण में गंभीर अनियमितता पाई गई। जांच में कुल 8150 नग धान बोरी (3260 क्विंटल) धान कम पाया गया। इस संबंध में आवश्यक प्रकरण तैयार कर कलेक्टर न्यायालय, सरगुजा में प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण की जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि 14 जनवरी 2026 को तहसीलदार दरिमा द्वारा जप्त किए गए पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 15 डीसी 2203 के वाहन स्वामी द्वारा यह बताया गया कि संबंधित धान सिद्धि विनायक राइस मिल से लोड किया गया था। उक्त तथ्य एवं प्रकरण में पाई गई विसंगतियों के आधार पर 16 जनवरी 2026 को खाद्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा उक्त राइस मिल को सील कर दिया गया है। सीलिंग की कार्रवाई के दौरान मिल परिसर में खुले आसमान के नीचे तीन अलग-अलग स्टेक में कुल 3200 नग धान बोरी रखा हुआ पाया गया, संबंधित प्रकरण में आगे की वैधानिक कार्रवाई नियमानुसार जारी है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान उपार्जन, भंडारण एवं परिवहन से संबंधित किसी भी प्रकार की अनियमितता पर निगरानी और जांच आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

जिले में अब तक 1884923.20 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में अब तक 49 समितियों में किसानों से कुल 1884923.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है, साथ ही 585759.20 क्विंटल धान मीलिंग हेतु राईस मिलरों द्वारा उठाव कर लिया गया है।

जिले के 49 धान उपार्जन केन्द्र जिसमें धान खरीदी केन्द्र कपिलदेवपुर में 32896.80 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। इसी प्रकार बादा में 20888, कुसमी में 37898.40, जवाहरनगर में 21882.40, कामेश्वरनगर में 78879.60, कोदवा में 11162.80, गोपालपुर में 29633.60, भेंडरी में 16405.60, चांदों में 60639.20, जमड़ी में 76785.60, जिगड़ी में 18524.40, जोकापाट में 10934.40, डूमरपान में 41390, डिण्डों में 50275.60, डीपाडीह में 26294, डोंगरो में 26946, गांजर में 17980.40, त्रिकुण्डा में 49507.60, बगरा में 30738, तातापानी में 34521.60, धंधापुर में 55595.20, डौरा में 34344.80, पस्ता में 20409.60, बड़कागांव में 53670.40, बरतीकला में 50120.80, बरदर में 32463.20, आरा में 18490.40, बरियों में 48970.80, बलंगी में 32496, बलरामपुर में 60501.60, बसंतपुर में 49465.60, भुलसीकला में 19060.80, भंवरमाल में 55754, रामानुजगंज 37003.20, महाराजगंज में 62668.80, महावीरगंज में 30402.80, विजयनगर में 51658.40, रघुनाथनगर में 37549.60, रनहत में 38296.40, राजपुर में 78614.40, दोलंगी में 29079.20, रामचन्द्रपुर में 31082.40, रामनगर में 49591.60, वाड्रफनगर में 32836.40, स्याही में 31227.20, विरेन्द्रनगर में 53289.20, सरना में 38542, सेवारी में 45185.60 एवं सामरी में 12368.80 क्विंटल धान किसानों से खरीदी की गयी है।

बॉलीवुड गायक आदित्य नारायण की मधुर आवाज ने बांधा शमा

★ तातापानी के दूसरे दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने उमड़ी लोगों की भीड़

★ फैशन वाक के द्वारा जनजातिय संस्कृति का किया गया प्रदर्शन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। तातापानी महोत्सव 2026 के दूसरे दिवस आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों, स्थानीय कलाकारों तथा सांस्कृतिक संध्या में आमंत्रित कलाकारों ने मंच साझा किया। बॉलीवुड के मशहूर गायक श्री आदित्य नारायण ने शना अरोड़ा के साथ सांध्यकालीन कार्यक्रम में शानदार साथ प्रस्तुति दी। जिले के स्कूली तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के मनमोहक नृत्य प्रदर्शन से शुरू हुआ। छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति व तीज त्यौहारों की थीम पर थिरकते हुए स्कूली बच्चों की प्रतिभा को देखकर उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साह बढ़ाया।

सांस्कृतिक संध्या में बालीवुड के मशहूर गायक श्री आदित्य नारायण ने भी शना अरोड़ा के साथ अपनी शानदार प्रस्तुति दी। तातापानी मेले की सांस्कृतिक संध्या में दोनों की आवाज का ऐसा जादू चला कि कड़कड़ाती ठंड में भी वहां उपस्थित हजारों दर्शक जमकर झूम उठे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र बालीवुड गायक आदित्य नारायण रहे। मंच पर आते ही उन्होंने ने सलाम ठोको गीत गाकर दर्शकों के दिल में अपनी जगह बना ली। उन्होंने ''पहला नशा, पहला खुमार, कभी ना कभी, जैसे कई गानों की मनमोहक प्रस्तुति दी। गीतों का यह सिलसिला देर रात तक यूं हीं चलता रहा। गानों सुनकर लोग आनंद से विभोर हो गए। साथ ही नावेद ग्रुप ने मंच पर अपना रंग बिखेरा व शिव उपासना नृत्य का प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के पश्चात जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री हेमंत श्राफ, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, एसपी श्री वैभव बेंकर, डीएफओ श्री आलोक वाजपेयी ने श्री आदित्य नारायण का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। साथ ही बाहर से आये कलाकारों को भी शानदार प्रस्तुति पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

आदिवासी परिधान और आभूषणों में छात्र-छात्राओं ने किया फैशन रैंप वॉक

तातापानी महोत्सव के दूसरे दिवस आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं जागरूकता के लिए जिला प्रशासन द्वारा ट्राईबल फैशन वॉक का आयोजन किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने आदिवासी आभूषणों एवं परिधानों को पहनकर रैंप वॉक किया। विलुप्त होते जा रहे आदिवासी संस्कृति को फिर से सहेजने तथा दर्शकों को जनजातीय समुदाय और उनके जीवन शैली को प्रदर्शित करने व समझने के लिए जिला प्रशासन की यह अनूठी पहल शानदार रही। इस ट्राईबल फैशन वॉक के द्वारा दर्शकों को आदिवासी संस्कृति तथा उनके पहनावे को जानने का बेहतर मौका भी मिला।

स्कूली छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने सुआ, कर्मा, गेड़ी, भांगड़ा नृत्य की प्रस्तुति से अतिथियों का मन मोहा। इसके साथ ही जिले के विभिन्न स्थानों से आये स्थानीय कलाकारों ने अपने नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला व संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इस दौरान उपस्थित दर्शकों ने पूरी तन्मयता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का जमकर लुत्फ उठाया।

इस दौरान नगर पालिक रामानुजगंज के अध्यक्ष रमन अग्रवाल, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्री भानु प्रकाश दीक्षित, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, गणमान्य नागरिक समेत जिले के जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारी व बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित थे।

लेन देन के विवाद को लेकर दुकान में घुस तोड़फोड़, संचालक जीजा-साला पर हमला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एनएच 43 किनारे नगर पंचायत शिवनंदनपुर में स्थित निधिश्री पुस्तक भंडार के संचालक से पैसों की लेनदेन के विवाद को लेकर गुरुवार शाम बाजार के ही अंडा व्यवसाई ने परिवार के सदस्यों दो भाइयों, पत्नी, बेटा, बेटी के साथ पुस्तक दुकान में अचानक पहुंच एक साथ धावा बोल मारपीट कर दिया है।

पुस्तक दुकान संचालक रंजय सिंह की रिपोर्ट पर बिश्रामपुर पुलिस ने रहमत उल्ला उसकी पत्नी, दोनों भाइयों, लड़की एवं दोनों लड़कों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि अचानक हुए हमले में पुस्तक दुकान संचालक रंजय सिंह कुछ समझ नहीं पाए और आरोपियों ने रॉड सहित कटर से डंडे से हमला कर दिया। वारदात के दौरान दुकान संचालक का साला रौशन सिंह, बड़े भाई त्रिभुवन सिंह को भी चोटे आई हैं। पुलिस रिपोर्ट पर आज मौका

जांच कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। वहीं दूसरी ओर रहमत उल्ला के अनुसार उसका अस्सी लाख रुपए से ऊपर लेनदेन पुस्तक दुकान संचालक पर बकाया है जबकि पुस्तक दुकान संचालक का कहना है कि वह पूरा रकम वापस कर दिया है, दुकान संचालक ब्याज के पैसों को लेकर दबाव बना रहा है जबकि वह पहले ही बहुत ब्याज दे चुका है। बहरहाल मामले में पुलिस जांच के बाद ही वस्तुस्थिति स्पष्ट होने की बात कही जा रही है।

वहीं दूसरी ओर पुलिस ने दूसरे पक्ष की रिपोर्ट पर भी काउंटर जुर्म दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सरस्वती साइकिल योजना से बालिकाओं को शिक्षा का संबल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करवां एवं लटोरी में आयोजित कार्यक्रमों में

सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9 वीं की छात्राओं को साइकिल वितरित किया। करवां स्कूल में 44 छात्राओं व लटोरी स्कूल में 102 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे। ग्रामीण अंचलों में साइकिल उपलब्ध होने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी और ड्रॉपआउट की समस्या में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि सुशासन सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरस्वती साइकिल योजना बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में एक प्रभावी पहल है। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत सदस्य किरण केराम, भाजपा लटोरी मंडल अध्यक्ष ठाकुर सिंह पैकरा, हरिलाल सिंह व अन्य उपस्थित थे। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल करवां में प्राचार्य मीरा सिंह ने मुख्य अतिथि के समक्ष विद्यालय परिसर के चारों ओर अहाता निर्माण, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण तथा पुस्तकालय भवन एवं शौचालय की मांग रखी। जिस पर मांगों के संबंध में मुख्य अतिथि द्वारा जल्द ही शौचालय निर्माण एवं 450 मीटर बाउंड्री वॉल निर्माण हेतु घोषणा किया गया।

बंद खदानों को शुरू कराए जाने हेतु एचएमएस का भूख हड़ताल शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बलरामपुर और कुमदा खदानों को पुन: शुरू कराने की मांग अब जीविका और अस्तित्व की लड़ाई बनती जा रही है। महीनों

से बंद पड़ी इन खदानों के कारण क्षेत्र का औद्योगिक ढांचा भी धीरे-धीरे ठप होता जा रहा है। इसी के विरोध में एचएमएस संगठन ने आज से क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय के सामने क्रमिक भूख हड़ताल शुरू कर दी है। ज्ञात हो कि एचएमएस संगठन ने इससे पहले भी प्रबंधन को जगाने के लिए एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा था। उसके बाद गुरुवार को प्रबंधन के साथ हुई बैठक से श्रमिकों को उम्मीद जगी थी कि कोई ठोस निर्णय निकलेगा, लेकिन चर्चा के असफल होने से मजदूरों का भरोसा टूट गया।संगठन का कहना है कि बार-बार आश्वासन देने के बावजूद खदानें चालू करने को लेकर कोई स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आई, जिससे मजबूर होकर अब आंदोलन को तेज करना पड़ा।एचएमएस संगठन ने स्पष्ट ऐलान किया है कि यह क्रमिक भूख हड़ताल 23 जनवरी तक जारी रहेगी। यदि इसके बाद भी प्रबंधन की ओर से खदानें शुरू करने को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो संगठन द्वारा 23 जनवरी से आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।

क्रमिक भूख हड़ताल के पहले दिन रामभरोस, सुखदेव, रूप साय, उमेश और सुरेंद्र ने भूख हड़ताल पर बैठकर आंदोलन की अगुवाई की। धरना स्थल पर मौजूद अन्य श्रमिकों और संगठन पदाधिकारियों ने एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए कहा कि यह लड़ाई जब तक खदानें चालू नहीं होंगी, तब तक थमेगा नहीं।

संगठन नेताओं का कहना है कि बलरामपुर खदान में आज भी कोयले का पर्याप्त भंडार मौजूद है। खदान के बंद रहने से छोटे व्यापारियों और स्थानीय बाजारों पर भी इसका गहरा असर पड़ रहा है।

ब्लाक कांग्रेस कमेटी लटोरी का कंवल बिहारी अध्यक्ष नियुक्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ब्लाक कांग्रेस कमेटी लटोरी का अध्यक्ष कंवलबिहारी टेकाम को मनोनीत किया गया है। नवनियुक्त ब्लाक अध्यक्ष कंवल बिहारी टेकाम वर्तमान में सरपंच भी हैं और सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। कंवल बिहारी टेकाम ने कहा है कि जिस उम्मीद से पार्टी ने मुझे यह जवाबदारी दी है, उस पर मैं पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगा। एक-एक कार्यकर्ता को एक साथ लेकर मजबूती के साथ पार्टी की नीतियों और विचारधारा को लोगों तक पहुंचाएंगे।

115 बोरी अवैध धान जब्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में धान के अवैध परिवहन, संग्रहण, उपार्जन केन्द्रों में पुराने व अवैध धान के बिक्री के प्रयास तथा बिचौलिये एवं कोचियों के द्वारा अवैध रूप से धान विक्रय के विरूद्ध त्वरित कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशानुसार उपार्जन केंद्रों में खरीदी प्रक्रिया में अनियमितता तथा धान के अवैध विक्रय के प्रयास पर सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी श्री नीर निधि नन्देहा के नेतृत्व में विरेन्द्रनगर धान उपार्जन केन्द्र में सुरेन्द्र कुमार यादव के द्वारा 65 बोरी अवैध धान कृषक माथुर पण्डो के खाते में बेचने का प्रयास किया जा रहा था जिसे जब्त किया गया।

विकासखण्ड रामचन्द्रपुर अंतर्गत ग्राम डिण्डों में अनुविभागीय अधिकार श्री आनन्द राम नेताम के नेतृत्व में नायब तहसीलदार श्री उदयराज एवं संयुक्त टीम द्वारा जांच हेतु वाहन को रोकने के प्रयास किया गया। जिस पर वाहन चालक द्वारा भागने की मंशा से नियंत्रण खो देने पर वाहन पलट गई। जांच में पाया गया की वाहन में लगभग 50 बोरी अवैध धान लोड था जिसे जब्त किया गया।

तातापानी महोत्सव में एक ही मंच पर शासन की योजनाएँ और नवाचार

विभागीय स्टॉल बने जनजागरूकता का माध्यम

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। तातापानी तीन दिवसीय महोत्सव परिसर में शासन की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जिले में हुए विकास कार्यों को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। जहाँ लोगों को योजनाओं की जानकारी के साथ लाइव स्टाल के माध्यम से जन हितकारी कार्ड बनाए गए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए स्थानीय उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी के माध्यम से समूहों की मेहनत, कौशल एवं आत्मनिर्भरता की झलक देखने को मिली। साथ ही आजीविका डबरी योजना, प्रधानमंत्री आवास तथा अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के संबंध में भी विस्तृत जानकारी साझा की गई।

आदिवासी विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में प्रधानमंत्री जनमन योजना की जानकारी के साथ-साथ एकलव्य आवासीय विद्यालयों के बच्चों द्वारा बनाई गई कला कृतियों ने दर्शकों का मन मोहा। स्टॉल में प्रदर्शित चित्रकला, हस्तशिल्प एवं रचनात्मक कलाओं के माध्यम से बच्चों की प्रतिभा, कल्पनाशीलता झलक दिखी साथ ही पीएम जनमन योजना के अंतर्गत आदिवासी अंचलों के समग्र विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बुनियादी सुविधाओं को लेकर शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की गई, जिसे आगंतुकों ने सराहा।

पुलिस विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में आमजन को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा तथा साइबर जागरूकता के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान लोगों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, गति सीमा का पालन, नशे में वाहन न चलाने तथा सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव को लेकर मोबाइल व इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने तथा सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी समझाइश दी गई। पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजन से नियमों का पालन करने की अपील करते हुए सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में आमजन को तंबाकू नियंत्रण एवं इसके दुष्परिणामों के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान तंबाकू सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, कैंसर, हृदय रोग एवं श्वसन संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया गया। लोगों को तंबाकू से दूरी बनाने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत आमजनों को ऑनलाइन सेवाओं एवं डिजिटल सुविधाओं के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान विभिन्न शासकीय सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त करने, डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन आवेदन, प्रमाण पत्र, एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की ई-सेवाओं के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया।

कार्यक्रम स्थल पर आयोजित स्टॉल में जैविक एवं एकीकृत खेती तथा फूलों की खेती का जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस दौरान किसानों एवं आमजन को जैविक खादों के उपयोग, फसल विविधीकरण तथा कम लागत में अधिक उत्पादन की तकनीकों के बारे में जानकारी दी गई। फूलों की खेती के माध्यम से आयवर्धन की संभावनाओं, बाजार की मांग एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों पर भी प्रकाश डाला गया। साथ ही माटी कला प्रदर्शन, ट्राइबल फूड स्टॉल खास आकर्षण का केन्द्र रही। इस तीन दिवसीय महोत्सव में 25 विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर आमजनों को जानकारी साझा करते हुए लाभान्वित किया गया।

जनगणना-2027 हेतु तकनीकी सहायक एवं एमटीएस पदों की पूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। भारत की जनगणना-2027 कार्य के लिए के समस्त तहसीलों एवं नगरीय निकायों में तकनीकी सहायक हेतु कुल 19 कार्मिकों तथा एम.टी.एस. (चतुर्थ श्रेणी) 01 कार्मिक की माह फरवरी 2026 से जून-2027 तक कुल 17 माह की अवधि के लिए एजेन्सी के माध्यम से नियुक्ति किया जाना है। इस हेतु इच्छुक पंजीकृत फर्मों/प्लेसमेंट एजेंसी/लेबर सप्लायर/कॉन्ट्रैक्टर /रजिस्टर एनजीओ से 30 जनवरी 2026 को अपरान्ह 03.00 बजे तक बन्द लिफाफे में दर कार्यालय कलेक्टर में आमंत्रित किया गया है। प्राप्त निविदा 30 जनवरी 2026 को शाम 4 बजे खोला जायेगा। निविदा की शर्ते, निविदा का प्रारूप आदि विस्तृत जानकारी के लिए जिले की वेबसाईट www.balrampur.cg.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पटल में अवलोकन किया जा सकता है।

हाइवाझबाइक टक्कर में पिता और 6 साल के मासूम समेत तीन की मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । नेशनल हाईवे-53 एक बार फिर दर्दनाक हादसे का गवाह बना। शुक्रवार सुबह पारागांव के पास हुए भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में मंगलू जलक्षत्री और उनका 6 वर्षीय मासूम बेटा तिलक भी शामिल है। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर के बाद शव सड़क पर क्षत-विक्षत अवस्था में बिखर गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, आरंग थाना क्षेत्र के बागेश्वर पारा निवासी श्रवण जलक्षत्री (40), मंगलू जलक्षत्री (28) और तिलक जलक्षत्री (6) शुक्रवार तड़के महानदी में मछली पकड़ने के लिए एक ही मोटरसाइकिल से निकले थे। निसदा मोड़ के बाद उनकी बाइक रांग साइड से होते हुए महानदी पुल की ओर बढ़ रही थी। इसी दौरान महासमुंद की ओर से आ रहे मुरूम से भरे तेज रफ्तार हाइवा वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाइवा चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना पर आरंग पुलिस मौके पर पहुंची, शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और वाहन जब्त कर लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना की खबर मिलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने हाईवे पर तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

धर्मांतरण नेटवर्क का खुलासा, आरोपी डेविड चाको गिरफ्तार

डिजिटल माध्यम से प्रदेशभर में फैलाने की थी तैयारी, विदेशी फंडिंग का शक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजनांदगांव । राजनांदगांव जिले में धर्मांतरण के एक बड़े और संगठित नेटवर्क का पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में आरोपी डेविड चाको को गिरफ्तार किया गया है, जो अपने घर में चर्च संचालित कर डिजिटल माध्यम से पूरे प्रदेश में नेटवर्क फैलाने की तैयारी कर रहा था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने अपने चर्च में कई नाबालिग बच्चों को भी रखा हुआ था। पुलिस के अनुसार, डेविड चाको प्रदेशभर में सैकड़ों चर्च खोलने की योजना बना रहा था, जिसके लिए वह फंडिंग की व्यवस्था कर रहा था। मामले में विदेशी फंडिंग की भी आशंका जताई जा रही है, जिस पर जांच जारी है।

शिकायत के बाद हुई कार्रवाई

दरअसल, 8 जनवरी को थाना लालबाग के पुलिस चौकी सुकुलदेहन में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में ग्राम धमार्पुर में एक व्यक्ति द्वारा चर्च संचालन कर धर्मांतरण से जुड़ी गतिविधियों के आरोप लगाए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अंकिता शर्मा के निर्देश पर थाना लालबाग में आरोपी डेविड चाको के खिलाफ छत्तीसगढ़ धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

जांच के दौरान पुलिस को कई अहम और चौंकाने वाले तथ्य मिले। आरोपी के पास से दस्तावेज, रजिस्टर, अभिलेख और अन्य सामग्री जब्त की गई है। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि धर्मांतरण की आड़ में एक संगठित नेटवर्क संचालित किया जा रहा था, जो केवल राजनांदगांव तक सीमित नहीं था बल्कि छत्तीसगढ़ के कई जिलों में सक्रिय था। इस नेटवर्क में सैकड़ों लोगों की संलिप्तता के संकेत मिले हैं, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

डिजिटल साक्ष्य और महंगे उपकरण जब्त

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लैपटॉप, टैबलेट, आईपैड और मोबाइल फोन सहित कई डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। इन उपकरणों से प्राप्त डेटा, डिजिटल दस्तावेज और प्रेजेंटेशन सामग्री से महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। इसके अलावा, सोलर-आधारित प्रोजेक्टर भी बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत हजारों डॉलर बताई जा रही है। इन प्रोजेक्टरों का उपयोग उन दूरस्थ इलाकों में किया जाता था, जहां बिजली की सुविधा उपलब्ध नहीं होती।

कई लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस

जब्त दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को कई अन्य संदिग्ध व्यक्तियों के नाम भी मिले हैं। इन सभी को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब किया गया है।

फंडिंग की जांच जारी

पुलिस आरोपी के वित्तीय लेन-देन और धन के स्रोतों की गहन जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि चर्च संचालन के लिए धन कहां से आ रहा था और क्या इसका संबंध किसी अन्य अवैध या संगठित गतिविधि से है।

एसपी का बयान

राजनांदगांव की एसपी अंकिता शर्मा ने कहा कि इस पूरे मामले की जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जा रही है। कानून से ऊपर कोई नहीं है। जांच में जो भी तथ्य और साक्ष्य सामने आएंगे, उनके आधार पर सख्त और विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की विवेचना लगातार जारी है।

अश्लील डांस मामले में मैनपुर SDM तुलसीराम मरकाम निलंबित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

गरियाबंद । गरियाबंद जिले में ओडिशा से आई बालाओं के अश्लील डांस मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। कार्यक्रम के दौरान डांसर्स पर नोट उड़ाने और मंच के सामने बैठकर ठुमकों का आनंद लेने वाले मैनपुर के एसडीएम तुलसीराम मरकाम को निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर की अनुशंसा पर रायपुर संभाग आयुक्त महादेव कांवरे ने निलंबन का आदेश जारी किया। इस मामले का वीडियो सामने आने के बाद पहले ही तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जा चुका है। साथ ही ओडिशा से आई अश्लील डांस करने वाली महिला डांसर को गिरफ्तार किया गया है। कार्यक्रम के आयोजकों और मंच के सामने अश्लीलता फैलाने वाले 14 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

क्या है पूरा मामला

गरियाबंद जिले के उरमाल गांव में युवा समिति द्वारा 6 दिवसीय ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की अनुमति 29 दिसंबर को तत्कालीन एसडीएम मैनपुर तुलसीराम मरकाम से ली गई थी। कार्यक्रम के अंतिम तीन दिन 8, 9 और 10 जनवरी को डांस कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें ओडिशा के कटक की जय दुर्गा ओपेरा इवेंट्स की डांसर्स को बुलाया गया। कार्यक्रम का व्यापक प्रचार किया गया था। सोशल मीडिया पर एक युवती ने खुद को ओडिशा की सनी लियोनी बताकर वीडियो जारी किया, जिससे बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में पहुंचे। अंतिम तीन दिनों में भारी भीड़ उमड़ी और हालात बेकाबू हो गए।

SDM पर गंभीर आरोप

9 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम तुलसीराम मरकाम बतौर अतिथि शामिल हुए थे। आयोजकों द्वारा उनके लिए सामने की सीट आरक्षित की गई थी। कार्यक्रम रात 11 बजे से सुबह 3 बजे तक चला। आरोप है कि इस दौरान महिला डांसर्स अर्धनग्न अवस्था में अश्लील डांस करती रहीं और एसडीएम सामने बैठकर अपने मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। वीडियो में उन पर डांसर्स पर पैसे उड़ाने के दृश्य भी सामने आए हैं। कार्यक्रम में कुछ जनप्रतिनिधि और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

पुलिसकर्मियों पर भी गिरी गाज

वायरल वीडियो में देवभोग थाने के आरक्षक जय कुमार कंसारी और शुभम चौहान को डांसर्स को पास बुलाकर किस करते हुए देखा गया। वीडियो सामने आने के बाद एसपी ने दोनों आरक्षकों को निलंबित कर दिया। एक अन्य पुलिसकर्मी को भी निलंबन का सामना करना पड़ा।

नोटिस के बाद निलंबन

मामला तूल पकड़ने पर कलेक्टर ने एसडीएम तुलसीराम मरकाम को पद से हटाते हुए नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर कलेक्टर के प्रस्ताव पर रायपुर संभाग आयुक्त ने निलंबन की कार्रवाई की। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासनिक व्यवस्था और सार्वजनिक आयोजनों में अनुशासन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले में आगे की जांच और कार्रवाई जारी बताई जा रही है।

09 दिवसीय 11 कुंडीय श्री विष्णु महायज्ञ का सार्वजनिक आयोजन 19 से 27 जनवरी तक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी के गृहग्राम पटना में 09 दिवसीय 11 कुंडीय श्री विष्णु महायज्ञ का सार्वजनिक आयोजन दिनांक 19 जनवरी से 27 जनवरी तक विधायक भूलन सिंह मरावी के संरक्षण में आयोजित होगा। श्री विष्णु महायज्ञ की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस वृहद श्री विष्णु महायज्ञ की जानकारी देते हुए विधायक भूलन सिंह बताया कि दिनांक 19 जनवरी को भव्य कलश यात्रा के साथ महायज्ञ की शुरूआत होगी ,जो दिनांक 27 जनवरी को तर्पण एवं विशाल भंडारे के साथ यज्ञ का समापन होगा। इस दौरान नौ दिनों तक सतत पूजन हवन आरती एवं श्री मद्भागवत कथा का प्रवचन किया जाएगा। वहीं मैहर के कलाकारों द्वारा रात्रि में रामलीला का शानदार मंचन किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्री विष्णु महायज्ञ आयोजन समिति के संरक्षक विधायक भूलन सिंह मरावी ने प्रेमनगर विधानसभा सहित जिले के सनातन धर्मावलंबियों से इस महायज्ञ में शामिल होने का विनम्र आग्रह किया है।

पार्षद राम नरेश रावत ने महापौर की संस्तुति निधि व पार्षद निधि के अंतर्गत तीन रोड व नाली का किया शिलान्यास

संवाददाता

सरोजनीनगर। सरोजनी नगर द्वितीय 18 में रुस्तम विहार कॉलोनी मे मो. मुकीम के मकान से गणेश चौरसिया के मकान तक इंटरलॉकिंग रोड नाली 140 मीटर लंबी चार मीटर चौड़ी तथा आश्रम एकेडमी इंटर कॉलेज से नीतू वाजपेई के घर तक सीसी सड़क और नाली लगभग 50 मीटर लंबी चार मीटर चौड़ी तथा हरिओम नगर कॉलोनी में ओमप्रकाश विश्वकर्मा के घर से पूरन के घर तक इंटरलॉकिंग रोड व नाली का 60 मीटर लंबी तीन मीटर चौड़ी नवनिर्माण कार्य का शिलान्यास महापौर सुषमा खर्कवाल व विधायक डा.राजेश्वर सिंह के आशीर्वाद से पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के द्वारा किया गया कार्यक्रम को धूप दीप द्वारा पूजा कार्य करवा कर जयराम यादव व फूलचंद गौतम से नारियल तुड़वाकर पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के द्वारा कार्य का शुभारंभ कराया गया भाजपा कार्यकर्ता संतोष त्रिपाठी ने बताया की यह रुस्तम विहार कॉलोनी की वर्षों से कच्ची पड़ी रोडे काफी महत्वपूर्ण थी जो की अब रोड व नाली का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा जो की अब महापौर सुषमा खर्कवाल के द्वारा रुस्तम विहार कॉलोनी व हरिओम नगर कॉलोनी मे दी गई धनराशि 31लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग रोड व नाली तथा सीसी रोड व नाली का नवनिर्माण कार्य किया जाएगा रुस्तम बिहार व हरिओम नगर के नागरिकों ने पार्षद रामनरेश को माला पहना कर तथा तथा पार्षद ने महापौर एवं विधायक के हर्षो उल्लास से नारे लगाए तथा रुस्तम बिहार के लोगों ने पार्षद जी को तथा एक दूसरे को लड्डू खिलाकर अपनी प्रसन्नता प्रकट की इसके लिए जनता की तरफ से संतोष त्रिपाठी ने सभी को सधन्यवाद दिया। इसके लिए लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह रक्षा मंत्री भारत सरकार, विधायक डॉ.राजेश्वर सिंह, व महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, नगर आयुक्त गौरव कुमार, तथा पार्षद रामनरेश रावत एडवोकेट के सहयोग तथा आशीर्वाद से इस रुस्तम विहार कॉलोनी में इंटरलॉकिंग सड़क व नाली, तथा सीसी रोड का नवनिर्माण कार्य होने जा रहा है आप सभी को कॉलोनी के समस्त निवासियों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार शिलान्यास के कार्यक्रम में द्वारका प्रसाद विश्वकर्मा, आलोक श्रीवास्तव, रितेश दुबे, गोपाल, नवीन शर्मा, आयुष दीक्षित, अभय द्विवेदी, नेहा, अनीता देवी, गीता सिंह, सुनीता देवी,आदि आसपास के भाजपा कार्यकर्ता के लोग भी उपस्थित रहे।

सीआईएसएफ एएसजी लखनऊ द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरण

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की एएसजी लखनऊ इकाई द्वारा सामाजिक सरोकारों के अंतर्गत गुरुवार को एक सराहनीय पहल की गई। कड़ाके की ठंड को देखते हुए गरीब एवं जरूरतमंद लोगों के बीच शीत राहत सामग्री (कंबल) का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम सायं लगभग 17:30 बजे आयोजित किया गया, जिसके तहत सीआईएसएफ के अधिकारियों एवं जवानों ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाया। इस दौरान बिजनौर क्षेत्र स्थित झुग्गी-झोपड़ी बस्तियों में निवास कर रहे जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। साथ ही लाभार्थियों के बीच मिठाइयाँ भी वितरित की गईं, जिससे लोगों के चेहरों पर मुस्कान दिखाई दी। कार्यक्रम के दौरान सीआईएसएफ अधिकारियों एवं जवानों ने जरूरतमंद नागरिकों से संवाद कर उनका हाल-चाल जाना तथा ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियाँ बरतने की अपील की। इस मानवीय पहल से क्षेत्र के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को विशेष राहत मिली। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों एवं समाजसेवियों ने सीआईएसएफ के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सीआईएसएफ न केवल सुरक्षा के क्षेत्र में बल्कि सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल सीआईएसएफ की संवेदनशीलता, सेवा भावना और समाज के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

तेलीबाग बाजार स्थित बी ओ आई ए टी एम बूथ पर टप्पेबाजों का कब्जा, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

पीजीआई। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग बाजार स्थित बैंक ऑफ इंडिया के ए टी एम बूथ पर टप्पेबाजों ने एक ही दिन में 2 महिलाओं का ए टी एम कार्ड फंसा कर हजारों रुपए की ठगी कर ली,पीड़िताओं ने पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। अर्चना कुमारी वर्मा पिता का नाम राम सुमेर, 591/1065 बल्देव विहार तेलीबाग लखनऊ में रहती हैं उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उनका बैंक खाता,बैंक आफ इण्डिया सुभानी खेड़ा तेलीबाग में है। पीड़ित ने बताया कि वह बीते 11जनवरी (रविवार) को दोपहर बाद लगभग 3:10 बजे, तेलीबाग स्थित बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम (कऊः रछउ 9087) से पैसे निकालने गई थी। कार्ड डालने पर मशीन में कोई प्रक्रिया नहीं हुई, और मेरा एटीएम कार्ड मशीन के अंदर ही फंस गया। काफी कोशिश के बाद भी कार्ड बाहर नहीं निकला। उसी समय वहां मौजूद एक अज्ञात व्यक्ति ने मुझे मशीन पर लिखे एक फर्जी हेल्पलाइन नंबर पर कल करने को कहा। काल करने पर दूसरी तरफ से व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मचारी बताया और कहा कि आज बैंक की छुट्टी होने के कारण कोई नहीं आ पाएगा, शाम 6 बजे के बाद आपका कार्ड निकाल कर दे दिया जाएगा। इसके कुछ समय बाद ही, शाम 4:25 बजे मोबाइल पर मैसेज आया कि खाते से पैसे निकाल लिए गए हैं। मेरे खाते में कुल 15,692 थे, जिनमें से अब केवल 686 शेष बचे हैं।

केस 2-

नूतन श्रीवास्तव पत्नी रमेश चन्द्र श्रीवास्तव पता 587ए/152 गांधी नगर तेलीबाग लखनऊ में रहती हैं उन्होंने बताया कि वह बीते 10 जनवरी, शनिवार को सुबह करीब 10.49 पर बैंक ऑफ इंडिया ए टी एम पर गयी थी। तब उनका भी एटीएम मशीन में फंस गया था। जिसके बाद मशीन के पीछे लगे हेल्प लाइन नम्बर पर काल किया तो काल करने के बाद पीड़ित के खाते से से 6हजार 300 रुपए ,लगभग 12.17 बजे कट गये। इनका खाता यूनियन बैंक का है। पीड़ित का कहना है कि बैंक ऑफ इंडिया के ए टी एम बूथ पर कोई गार्ड नहीं है। और टप्पेबाज ए टी एम मशीन में गड़बड़ी कर महिलाओं और बुजुर्गों को शिकार बना रहे हैं। पीड़ितों ने साइबर सेल में सूचना देने के बाद पीजीआई कोतवाली पुलिस को तहरीर दी, पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

क्रिकेट का महाकुंभ आठवें भोले बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

पूर्व मंत्री स्वाति सिंह डॉ अजय पांडेय सत्यम समेत विशिष्ट अतिथियों ने किया उद्घाटन बाबा बारुदी ने पहले मुकाबले में दर्ज की शानदार जीत……

संवाददाता

निगोहां। गुरुवार को निगोहां के टोल प्लाजा के समीप खेल प्रेमियों के लिए उत्साह और जोश से भरा माहौल देखने को मिला, जब 8वें भोले बाबा क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन पूर्व स्वतंत्र प्रभार मंत्री स्वाति सिंह उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद के उपाध्यक्ष डॉ.अजय पाण्डेय सत्यम एवं श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह ह्यदीपूह्न ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया उद्घाटन के दौरान मैदान तालियों और नारों से गूंज उठा। उद्घाटन मुकाबला बाबा बारुदी और किंग इलेवन आमिर के बीच खेला गया। टॉस जीतकर किंग इलेवन ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया बल्लेबाजी करने उतरी बाबा बारुदी की टीम ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 15 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 183 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया लक्ष्य का पीछा करने उतरी किंग इलेवन आमिर की टीम दबाव में नजर आई और पूरी टीम 14.3 ओवर में 143 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस प्रकार बाबा बारुदी की टीम ने 39 रनों से शानदार जीत दर्ज की। मैच के हीरो रहे अरविंद, जिन्होंने मात्र 35 गेंदों में शतकीय पारी (100 रन) खेलकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उनके इस विस्फोटक प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस मौके पर निगोहां प्रेस क्लब के संरक्षक मुकेश द्विवेदी लालपुर पूर्व प्रधान ज्ञानेंद्र बहादुर सिंह अधिवक्ता ऋषि द्विवेदी दीपू सिंह दिलीप मिश्रा मोइन खान परसपुर ठट्ठा के पूर्व प्रधान नवनीत सिंह सहित अरुण सिंह मुरारी सिंह राठौर अमर सिंह रोहित तिवारी आशु नेता अखंड प्रताप सिंह शनि सैनी स्वप्निल पाण्डेय समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। टूनामेंट के आयोजक किसान नेता अनमोल तिवारी ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र भेंट कर एवं फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत-सम्मान किया उन्होंने बताया कि इस टूनामेंट जनपद लखनऊ रायबरेली सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे जिससे पूरा क्षेत्र खेलमय माहौल में नजर आया खास बात यह रही कि मुकाबले का लाइव प्रसारण भी किया जा रहा जिसे लाखों दर्शकों ने ऑनलाइन देखा आयोजकों के अनुसार आने वाले दिनों में होने वाले मुकाबले और भी रोमांचक जिससे निगोहां क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को नया मंच और पहचान मिलेगी।

सहायक पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक हुई आयोजित

संवाददाता

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं अपराध नियंत्रण में व्यापारियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कृष्णानगर रजनीश वर्मा की अध्यक्षता में स्कूटर इंडिया चौराहे के पास एक होटल में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें सरोजनीनगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त ने व्यापारियों को सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सभी व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने तथा उन्हें चालू अवस्था में रखने का आग्रह किया, ताकि किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में साक्ष्य उपलब्ध हो सके। साथ ही प्रतिष्ठान के आसपास किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अज्ञात व्यक्ति की सूचना तत्काल थाना या डायल 112 पर देने की अपील की। उन्होंने व्यापारियों को अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों, मजदूरों एवं सुरक्षा कर्मियों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। रात्रि के समय दुकानों को बंद करते समय शटर, ताले और प्रकाश व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा अनावश्यक रूप से देर रात तक दुकानें खुली न रखने की सलाह दी। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए दुकानों के सामने अतिक्रमण न करने और ग्राहकों को सड़क पर वाहन खड़ा न करने के लिए प्रेरित करने की बात कही। इसके अलावा सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से फैलने वाली अफवाहों पर ध्यान न देने तथा किसी भी सूचना की पुष्टि पुलिस से करने की सलाह दी गई। बैठक में समय-समय पर इस प्रकार की संवाद बैठकें आयोजित करने पर भी सहमति बनी। बैठक के बाद पुलिस एवं व्यापारियों द्वारा पैदल गश्त कर क्षेत्र में सुरक्षा भावना को और मजबूत किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि पुलिस प्रशासन उनकी सुरक्षा, सम्मान और समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं व्यापारियों ने पुलिस द्वारा उठाए जा रहे सुरक्षा उपायों की सराहना करते हुए पूर्ण सहयोग का भरोसा जताया। इस बैठक में स्थानीय पार्षद गीता देवी गुप्ता, उत्तर प्रदेश जनहित व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, नादरगंज अमौसी जनहित व्यापार मंडल अध्यक्ष नागेंद्र सिंह, क्रांति व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष विजय सिंह यादव और गौरी आदर्श व्यापार मंडल के विशाल श्रीवास्तव सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

दुनिया में गंभीर संकट पैदा कर रहे ईरान के बिगड़ते हालात

ईरान में बिगड़ते हालात (आर्थिक संकट, सरकार विरोधी प्रदर्शन और हालिया इजराइल-ईरान संघर्ष के बाद की स्थिति) दुनिया को युद्ध की ओर धकेल रहे हैं, क्योंकि इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ रही है, जिससे एक बड़े टकराव की आशंका पैदा हो गई है, खासकर अमेरिका और इजराइल के साथ। इस बीच भारत ने भी ईरान में अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी कर कहा कि जो भी भारतीय नागरिक, चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक, इस समय ईरान में हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकल जाना चाहिए। सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतनी चाहिए। विरोध प्रदर्शन या भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहें। ईरान की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए यह सलाह जारी की गई है। वहीं, विश्लेषकों का कहना है कि ईरान कमजोर हुआ है और आंतरिक असंतोष के बीच सरकार दबाव में है, जबकि बाहरी शक्तियां हस्तक्षेप की फिराक में हैं, जिससे स्थिति और विस्फोटक हो सकती है। किसी भी छोटी सी चूक से क्षेत्र में बड़ा संघर्ष छिड़ सकता है और विश्वभर में गंभीर संकट पैदा हो सकता है। ईरान में अमेरिका के दखल के बाद से हालात और पेचिदा हो रहे हैं। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ट्रुथ सोशल पर ईरानी प्रदर्शनकारियों से कहना कि मदद रास्ते में है। ईरानी देशभक्तों, विरोध जारी रखिए। हत्यारों और अत्याचारियों के नाम सुरक्षित रखिए। वे इसकी भारी कीमत चुकाएंगे। ट्रंप की इस टिप्पणी के गंभीर मायने हैं। इससे दुनिया में तनाव बढ़ गया है। अमेरिका के करीबी तीन खाड़ी अरब देश सऊदी अरब, कतर और ओमान ईरान पर किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। ये डिप्लोमैटिक लेवल पर सक्रिय हैं, क्योंकि ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। हालांकि ट्रंप ने ईरान के खिलाफ मिलिट्री कार्रवाई का प्लान फिलहाल होल्ड पर रख दिया है, लेकिन अमेरिकी सेना को तैयार रहने के लिए कहा गया था, ताकि आदेश मिलते ही तुरंत एक्शन लिया जा सके। अब सवाल यह है कि अमेरिका आखिर चाहता क्या है। क्योंकि ट्रंप दुनिया को अस्थिरता की ओर धकेल रहे हैं। इसके गंभीर परिणाम सामने आएंगे। अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो वह कतर से ईरान को निशाना बना सकता है। चूंकि कतर को मध्य पूर्व में अमेरिका का अहम सैन्य साझेदार माना जाता है। यहां स्थित अल उदीद एयर बेस अमेरिका का सबसे बड़ा और रणनीतिक सैन्य अड्डा है, जहां 10 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक, आधुनिक फाइटर जेट और ड्रोन तैनात हैं। इसके अलावा पाकिस्तान भी हमले के लिए अमेरिका को अपना एयरबेस देने के लिए तैयार है। इस तरह के हालात डरावने हो सकते हैं। निश्चित रूप से युद्ध जैसी स्थिति के परिणाम दुनिया के लिए गंभीर खतरा होंगे। ईरान में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के ख़िलाफ़ सड़कों पर उबाल जारी है। एक अधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक ईरान में अब तक करीब 3,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी करार देते हुए उन्हें कुचला जा रहा है, लेकिन यह केवल आंतरिक हिंसा नहीं है, बाहर से अमेरिका इस आग में घी डालने का काम लगातार कर रहा है। अब ईरान सरकार जल्द से जल्द आर्थिक सुधार लागू करे और साथ ही धार्मिक कट्टरता कम करके उदार और प्रगतिशील साथियों की मदद ले, उसी से पूंजीवादी गिद्धों को दूर रखा जा सकेगा और बाहरी ताकतों को रोककर देश में शांति व्यवस्था को कायम किया जा सकेगा।

ऊर्जा नीति
रोहित माहेश्वरी

भारत में सौर ऊर्जा का तेजी से विस्तार होना एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, जो वर्ष 2014 में मात्र 3 गीगावाट से बढ़कर वर्ष 2025 में लगभग 129 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें ग्राउंड-माउंटेड प्रोजेक्ट, रूफटॉप सोलर, हाइब्रिड सिस्टम और ऑफ-ग्रिड इंस्टॉलेशन शामिल हैं। बड़े सौर पार्कों के साथ-साथ लाखों घरों पर लगे रूफटॉप सिस्टम अब बिजली पैदा कर ग्रिड में ऊर्जा पहुंचा रहे हैं। अब भारत को वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। भारत की सौर ऊर्जा क्षमता जुलाई 2025 तक 4,000 प्रतिशत बढ़ गई थी और देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 227 गीगावाट तक पहुंच गई थी।

भारत में सौर ऊर्जा का तेजी से होता विस्तार

मोदी सरकार के प्रयासों से भारत की सौर ऊर्जा क्षमता में पिछले दशक में उल्लेखनीय रूप से विस्तार हुआ है। विशाल सौर पार्कों से लेकर शहरों, कस्बों और गांवों की नीली छतों तक, हर जगह सोलर पैनल नजर आते हैं। सिर्फ एक दशक पहले, भारत का सौर ऊर्जा परिदृश्य अपनी प्रारंभिक अवस्था में था, जहां सोलर पैनल केवल कुछ छतों और रेगिस्तानों में ही दिखते थे। आज, देश इतिहास रचने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत आधिकारिक तौर पर जापान को पीछे छोड़कर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। असल में, नवीकरणीय ऊर्जा देश की जलवायु रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भारत में सौर ऊर्जा का तेजी से विस्तार होना एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, जो वर्ष 2014 में मात्र 3 गीगावाट से बढ़कर वर्ष 2025 में लगभग 129 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें ग्राउंड-माउंटेड प्रोजेक्ट, रूफटॉप सोलर, हाइब्रिड सिस्टम और ऑफ-ग्रिड इंस्टॉलेशन शामिल हैं। बड़े सौर पार्कों के साथ-साथ लाखों घरों पर लगे रूफटॉप सिस्टम अब बिजली पैदा कर ग्रिड में ऊर्जा पहुंचा रहे हैं। दरअसल, भारत उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में स्थित है, जहां कर्क रेखा कई राज्यों से होकर गुजरती है। इससे देश में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। भारतीय महाद्वीप की कुल सौर ऊर्जा क्षमता 748 गीगावाट है। राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में देश की सबसे अधिक सौर ऊर्जा क्षमता है, जो उन्हें भारत के स्वच्छ ऊर्जा विकास के प्रमुख चालक बनाती है। चूंकि सौर ऊर्जा अब भारत के ऊर्जा मिश्रण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है तथा भारत को वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। भारत की सौर ऊर्जा क्षमता जुलाई 2025 तक 4,000 प्रतिशत बढ़ गई थी और देश की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 227 गीगावाट तक पहुंच गई थी। जम्मू-कश्मीर का पल्ली गांव एक उल्लेखनीय उदाहरण बन गया, जो पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर चलने के कारण भारत की पहली कार्बन-न्यूट्रल पंचायत के रूप में उभरा। भविष्य की ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए ऊर्जा भंडारण और नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। देश में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु शीर्ष सौर उत्पादक राज्यों में शामिल हैं, जिनमें राजस्थान की सौर क्षमता अत्यधिक है तथा वहां निरंतर विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। पीएम सूर्य घर मिशन, नवीकरण ऊर्जा और नेट-जीरो उत्सर्जन की ओर भारत के प्रयासों के मुख्य स्तंभों में से एक है। 13 फरवरी 2024 को मंत्रिमंडल की मंजूरी के साथ शुरू की गई इस योजना का कुल खर्च 75,021 करोड़ रुपये है। इसका मकसद एक करोड़ घरों को रूफटॉप सौर ऊर्जा प्रणाली देना है, जिससे हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी। यह योजना नवीकरण ऊर्जा स्त्रोत अपनाने को बढ़ावा देती है, जिससे भारत के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के वादे को समर्थन मिलता है। दिसंबर 2025 तक, 23.9 लाख घरों में पहले ही 7 जीडब्ल्यू स्वच्छ ऊर्जा की स्थापित क्षमता के साथ रूफटॉप सोलर लगाए जा चुके हैं और पीएम सूर्य घर के तहत 13,464.6 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की गई है, जिससे यह योजना 1 करोड़ सौर ऊर्जा आधारित घरों के अपने लक्ष्य को पाने की राह पर है। सरकारी आंकड़ों के

मुताबिक सब्सिडी योजना के तहत लगभग 24 लाख घरों में सौर ऊर्जा प्लांट लगे हैं। पीएम-कुसुम योजना किसानों को डीजल के बजाय सौर ऊर्जा का उपयोग करने में सहायता करती है। सरकार बिजली ग्रिड से जुड़े बड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के लिए 'सोलर पार्कों और अल्ट्रा मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाओं का विकास' नामक एक योजना चला रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 के बाद भारत की सोलर पीवी सेल बनाने की क्षमता लगभग 21 गुना बढ़ गई है। मध्य प्रदेश स्थित ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर पार्क, एशिया के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर पार्कों में से एक है, जिसकी नियोजित क्षमता 600 मेगावाट है। इसकी लागत 330 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र सरकार 49.85 करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान करेगी। सौर ऊर्जा की बढ़त से भारत की कोयले पर निर्भरता कम हो गई है। हालांकि थर्मल और अन्य गैर-नवीकरणीय स्त्रोतों से अब भी कुल क्षमता का आधे से ज्यादा हासिल होता है। सौर ऊर्जा अब कुल ऊर्जा में 20 फीसदी से अधिक का योगदान करती है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि तो है लेकिन इसके साथ एक चुनौती भी है। बेशक यह इस्तेमाल में साफ यानी प्रदूषण मुक्त है, लेकिन अगर सही तरीके से प्रबंधन न किया जाए तो सोलर पैनल पर्यावरण के लिए खतरा बन सकते हैं। सोलर पैनल का ज्यादातर हिस्सा रिसाइकल किया जा सकता है। इनमें कांच, एल्युमिनियम, चांदी और पॉलिमर होते हैं। लेकिन इनमें थोड़ी मात्रा में ही मौजूद सीसा और कैडमियम जैसी जहरीली धातुओं को अगर ठीक तरीके से संभाला न जाए तो ये मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकती हैं। आमतौर पर सोलर पैनल लगभग 25 साल तक चलते हैं, उसके बाद उन्हें हटाकर फेंक दिया जाता है। फिलहाल भारत में सौर कचरे को रिसाइकल करने के लिए अलग से कोई बजट नहीं है और पुराने पैनलों को प्रोसेस करने के लिए कुछ छोटे-छोटे केंद्र ही हैं। भारत के पास सौर कचरे का कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है। एक अध्ययन के मुताबिक 2023 तक लगभग 1 लाख टन और 2030 तक 6 लाख टन तक सौर कचरा पैदा हो सकता है। अभी यह मात्रा कम है, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि कचरे का असली बोझ आगे आने वाला है। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के एक नए अध्ययन के मुताबिक, भारत में 2047 तक 1.1 करोड़ टन से ज़्यादा सौर कचरा पैदा हो सकता है। इसे सुरक्षित रूप से ठिकाने लगाने के लिए लगभग 300 विशिष्ट रीसाइक्लिंग केंद्र चाहिए होंगे और अगले दो दशक में करीब 47.80 करोड़ डॉलर का निवेश करना होगा। संभावित खतरों को देखते हुए भारत में 2022 में सोलर पैनलों को ई-वेस्ट नियमों के तहत लाया गया। इससे अब यह निर्माताओं की जिम्मेदारी है कि पैनलों की उम्र पूरी होने पर वे (निर्माता) उन्हें इकट्ठा करें, स्टोर करें, तोड़ें और रिसाइकल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत की सौर ऊर्जा की यात्रा इस बात का उदाहरण है कि कैसे लक्षित नीति, प्रौद्योगिकी नवाचार और रणनीतिक सहयोग किसी देश के ऊर्जा परिदृश्य को बदल सकते हैं। असल में सौर ऊर्जा न केवल भारत के नवीकरण ऊर्जा मिश्रण की रीढ़ बन गई है, बल्कि सतत आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा और क्लाइमेट लीडरशिप के लिए अहम कारक है। अंतरराष्ट्रीय सौर अलायंस और ओएसओडब्ल्यूओजी जैसी पहलों के जरिए वैश्विक भागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर योजनाओं पर अमल के साथ, भारत यह दिखा रहा है कि सौर ऊर्जा एक घरेलू समाधान और वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा प्रगति का जरिया, दोनों हो सकती है। जैसे-जैसे भारत अपनी सौर ऊर्जा क्षमता बढ़ा रहा है, नवाचार को बढ़ावा दे रहा है और सबको साथ लेकर चलने वाली पहुंच मुमकिन बना रहा है, यह एक मजबूत, निम्न-कार्बन वाले भविष्य की ओर एक साफ रास्ता बना रहा है-दुनिया को दिखा रहा है कि सौर ऊर्जा राष्ट्रीय और वैश्विक, दोनों तरह के जलवायु लक्ष्यों को पाने के लिए जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में

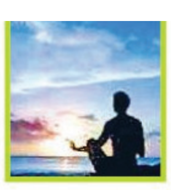

या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

संकलित
दर्शन

अर्जुन को विद्या पर था घमंड, शिवजी ने तोड़ा था

महाभारत का प्रसंग है। कोरव और पांडवों का युद्ध तय हो गया था। दोनों ही पक्ष युद्ध की तैयारियां कर रहे थे। उस समय अर्जुन ने एक पर्वत पर देवराज इंद्र से दिव्यास्त्र पाने के लिए तप किया। देवराज इंद्र प्रकट हुए और उन्होंने कहा कि मुझसे दिव्यास्त्र लेने से पहले तुम्हें शिव जी को प्रसन्न करना होगा। इंद्र देव की बात मानकर अर्जुन

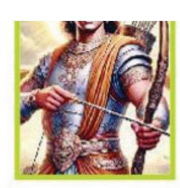

ने शिव जी को प्रसन्न करने तप शुरू कर दिया। जिस जगह अर्जुन तप कर रहे थे, वहां एक दिन एक जंगली सूअर आ गया। सूअर एक मायावी दैत्य था। अर्जुन ने जैसे ही जंगली सूअर को देखा, उन्होंने अपने धनुष पर बाण चढ़ा लिया। तभी वहां किरात वनवासी पहुंच गया। किरात वनवासी कोई और नहीं, बल्कि शिवजी ही थे, जो वेष बदलकर आए थे। वनवासी ने अर्जुन को बाण चलाने से रोक दिया और कहा कि ये मेरा शिकार है। ये बात सुनने के बाद भी अर्जुन ने तीर सूअर की ओर छोड़ दिया। वनवासी ने भी उसी समय बाण छोड़ दिया। अर्जुन और वनवासी के बाण एक साथ उस सूअर को लगे। सूअर तो मर गया, लेकिन इन दोनों के बीच विवाद होने लगा। ये विवाद युद्ध तक पहुंच गया। युद्ध के बीच में वनवासी का एक बाण अर्जुन को लग गया। इसके बाद अर्जुन ने कुछ देर के लिए युद्ध रोका और मिट्टी का एक शिवलिंग पूजा की। पूजा में जो माला अर्जुन ने शिवलिंग पर चढ़ाई थी, वह उस वनवासी के गले में दिखाई देने लगी। ये देखकर अर्जुन समझ गए कि ये स्वयं शिव जी ही हैं।

संकलित
प्रेरणा

अंगीठी का दंश
मनोज कुमार अग्रवाल

घर-घर में साइलेंट किलर

जरा सी चूक जीवन पर भारी

इन दिनों देश के अनेक भागों में कड़ाके की ठंड पड़ने से तापमान शून्य से भी नीचे चला गया है। ऐसे में ताप के लिए चंद लोग कमरों में अंगीठी जलाकर सोने के कारण जहरीला धुआं चढ़ने से मृत्यु के शिकार हो रहे हैं। वहीं सैकड़ों लोग बिना वेंटिलेशन वाले बाथरूम में गैस गीजर के इस्तेमाल से आक्सीजन कम होने पर जान गंवा देते हैं। भारत के अलग-अलग हिस्सों से हर कुछ महीनों में एक जैसी खबरें सामने आती हैं। बाथरूम में नहाते समय गैस गीजर से निकली जहरीली गैस, दम घुटना और फिर अचानक बाथरूम में नहाने वाले की मौत हो जाना। ये खबरें चौंकाती जरूर हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद भुला दी जाती हैं। यही भूल सबसे खतरनाक है। क्योंकि गैस गीजर कोई अचानक खराब होने वाली मशीन नहीं, बल्कि एक ऐसा खामोश खतरा है, जो जरा सी लापरवाही पर जान ले सकता है। आपको पता हो कि कमरे में लकड़ी या कोयले की अंगीठी जलाकर रखने से 'ऑक्सीजन' की कमी हो जाती है और 'कार्बन मोनोआक्साइड' सीधे दिमाग पर असर डालती है, जो सांस के जरिए पूरे शरीर में फैल जाती है। इससे शरीर में ' हीमोग्लोबिन' कम हो जाने से व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है। इसी तरह बाथरूम में गैस गीजर चलाने पर भी आक्सीजन कम हो जाती है और कई लोग हर साल जान गंवा देते हैं। कुछ दुखद घटनाओं की बानगी देखिए 22 दिसंबर को यूपी के पीलीभीत में शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ले गुरुकुल पुरम में बाथरूम में गैस गीजर का प्रयोग करने के कारण ऑक्सीजन की मात्रा कम होने से डीआरडीए के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और उनकी पत्नी की मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ। नहाते समय पत्नी का दम घुटने पर पति उन्हें बचाने के लिए पहुंचा, लेकिन वह भी चपेट में आ गया और दोनों की मौत हो गई। 2 जनवरी को पंजाब के शिवसेना नेता दीपक कंबुज की 22 वर्षीय पुत्री मुनमुन की बाथरूम में दम घुटने से मौत हो गई। 27 दिसम्बर, 2025 को 'छपरा' (बिहार) में ठंड से बचने के लिए एक कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे 3 बच्चों और उनकी नानी की दम घुटने से मृत्यु हो गई तथा परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए। इस घटना में मारे गए तीनों बच्चे रिश्ते में भाई-बहन थे जो सर्दी की छुट्टियों में ननिहाल आए हुए थे 31 दिसम्बर, 2025 को 'गयाजी' (बिहार) के 'कुर्किहार' गांव में कमरे के भीतर ठंड से बचने के लिए दरवाजा और खिड़की बंद करके अंगीठी जला कर सो रहे 'सुजीत कुमार' और 'अंशु कुमारी' नामक भाई-बहन तथा उनकी नानी 'मीना देवी' की दम घुटने से मौत हो गई। 8 जनवरी, 2026 को 'तरनतारन' (पंजाब) में 'गुरमीत सिंह' तथा उनकी पत्नी 'जसबीर कौर' की ठंड से बचने के लिए जला कर कमरे में रखी लकड़ियों की गैस से दम घुटने के कारण मौत हो गई। 8 जनवरी, 2026 को ही 'पटौदी' (हरियाणा) में ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी सुलगा कर सोना एक श्रमिक के परिवार पर आफत बन कर टूटा तथा दम घुटने से एक 11 वर्षीय बच्ची की मृत्यु एवं परिवार के 3 अन्य सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए। 9 जनवरी, 2026 को 'हजारीबाग' (झारखंड) के 'बानादाग' गांव में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सो रहे दम्पति की दम घुटने से जान चली गई। 9 जनवरी, 2026 को ही 'कोडरमा' (झारखंड) के 'पूरना नगर' में ठंड से बचने के लिए बंद कमरे में कोयला जलाकर सो रहे पति-पत्नी 'वीरेंद्र शर्मा' और 'कांति देवी' की दम घुटने से मौत हो गई। 9 जनवरी, 2026 को ही 'उत्तर काशी' (उत्तराखंड) के 'चाम्पकोट' में कमरे में जल रही अंगीठी की गैस के कारण एक युवक की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से बीमार हो गया। 10 जनवरी, 2026 को 'आरा' (बिहार) के 'छोटकी सिंगरी' गांव में एक कमरे में अपने माता-पिता और बहन के साथ ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो रहे 12 वर्षीय बच्चे 'बजरंगी सिंह' की मौत हो गई जबकि उसके माता-पिता और बहन गंभीर रूप से बीमार हो गए। और अब 11 जनवरी, 2026 को 'तरनतारन' (पंजाब) में ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो रहे' अर्शदीप सिंह' (20), उसकी पत्नी' जशनदीप कौर' (19) तथा 2 महीने के मासूम बेटे 'गुरबाज सिंह' की दम घुटने से मौत हो गई और 'अर्शदीप सिंह' का साला 'किशन सिंह' बेहोश हो गया। उक्त सब घटनाओं का सबक यही है कि बंद कमरे में अंगीठी नहीं जलानी चाहिए और यदि जलानी ही पड़े तो सोने से पहले उसे बुझा देना चाहिए ताकि धुआं पैदा न हो। स्थानीय प्रशासन और स्वयं सेवी संस्थाओं को भी चाहिए कि इस बारे लोगों को जागरूक करे, ताकि इस तरह की दर्दनाक और असामयिक मौतों से बचा जा सकें।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रताः सिद्धांत, भ्रांतियाँ और हकीकत

सैय्यद जाहिद अली रियासत

इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रता पर होने वाली चर्चा अक्सर रूढ़िवादी धारणाओं, सांस्कृतिक आदतों और राजनीतिक शोर से प्रभावित रहती है। बहुत से लोग इस्लामी स्रोतों का गहराई से अध्ययन नहीं करते। लेकिन जब मूल इस्लामी शिक्षाओं को समझा जाता है, तो एक स्पष्ट तस्वीर सामने आती हैः जिस दौर में महिलाओं के पास लगभग कोई अधिकार नहीं थे, उस समय इस्लाम ने महिलाओं के लिए ठोस और मजबूत अधिकार निर्धारित किए। जब कुरआन नाजिल हुआ, तब अरब समाज में महिलाओं को बहुत कम संरक्षण प्राप्त था। महिलाओं को विरासत से वंचित किया जाता था, तो कुछ के साथ संपत्ति की तरह व्यवहार किया जाता था। इस्लाम ने इन प्रथाओं को तोड़ते हुए यह घोषणा की कि स्त्री और पुरुष एक ही आत्मा से उत्पन्न हुए हैं और आध्यात्मिक दृष्टि से दोनों का मूल्य समान है। यही सिद्धांत परिवार, शिक्षा और समाज में महिलाओं के अधिकारों की नींव बना जो आज कायम है, विवाह के समय महिला को महर (दहेज नहीं, बल्कि पति द्वारा दिया जाने वाला धन या संपत्ति) दिया जाता है, जो उसका पूर्णतः निजी अधिकार होता है। घर के खर्च के लिए अपनी व्यक्तिगत संपत्ति खर्च करने की उस पर कोई धार्मिक जिम्मेदारी नहीं होती; यह जिम्मेदारी पूरी तरह पति की होती है। यह आर्थिक स्वायत्तता महिलाओं की स्वतंत्रता की रक्षा करती है और यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक मजबूरी के कारण उन्हें किसी हिंसक या अवांछित संबंध में फँसे रहना न पड़े। शिक्षा का अधिकार केवल एक सामाजिक सुविधा नहीं, बल्कि एक धार्मिक कर्तव्य है। पैगम्बर मुहम्मद (सल्ल.) ने कहा कि ज्ञान प्राप्त करना हर मुसलमान–स्त्री और पुरुष दोनों–पर अनिवार्य है। इतिहास में ऐसी अनेक मुस्लिम महिलाओं के उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने इस स्वतंत्रता का उपयोग कर विदुषी, कानून विशेषज्ञ और शैक्षणिक संस्थानों की संस्थापक के रूप में भूमिका निभाई। उदाहरण के लिए, फातिमा अल-फि हरी ने अल-करविय्यीन विश्वविद्यालय की स्थापना की। सामाजिक क्षेत्र में, चयन की स्वतंत्रता इस्लामी न्यायशास्त्र का एक अपरिवर्तनीय सिद्धांत है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जबरन विवाह या महिलाओं की शिक्षा पर लगाए गए प्रतिबंधों जैसी सांस्कृतिक प्रथाओं को अक्सर धर्म से जोड़ दिया जाता है। जबकि इस्लाम का रुख स्पष्ट हैः विवाह या शिक्षा से संबंधित किसी भी निर्णय में महिला की स्वतंत्र और स्पष्ट सहमति के बिना वह अमान्य है। पिता, भाई या पति की भूमिका प्रतिबंध लगाने वालों की नहीं, बल्कि धार्मिक कर्तव्यों का पालन करने वाले सहायक (ूंह्वइ३ङ्क१२) की होनी चाहिए। इस सिद्धांत में तलाक का अधिकार भी शामिल है। इस्लामी कानून में यदि महिला के साथ अत्याचार हो या विवाह टिकाऊ न रह गया हो, तो विवाह विच्छेद के रास्ते उपलब्ध हैं। भले ही इतिहास में इन कानूनों की व्याख्या अलग-अलग तरीकों से की गई हो, लेकिन मूल सिद्धांत एक ही हैः महिला का कल्याण–प्रेम और करुणा–से युक्त जीवन का अधिकार। इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रता पर ईमानदार चर्चा करते समय आदर्श और वास्तविकता के बीच की दूरी को स्वीकार करना आवश्यक है। कई आधुनिक समाजों में धार्मिक ग्रंथों की पितृसत्तात्मक व्याख्याओं और कठोर सांस्कृतिक नियमों के जरिये इस्लाम द्वारा दी गई स्वतंत्रता को ही दबा दिया गया है। इस तनाव का एक बड़ा कारण ह्लइस्लामह्व (दैवी मार्गदर्शन) और ह्लमुस्लिम संस्कृतिह्व (मानव-निर्मित संरचनाएँ) के बीच का भ्रम है। राजनीतिक अस्थिरता, उपनिवेशवाद और कुछ क्षेत्रों में शब्दशः व कठोर विचारधाराओं के उभार ने महिलाओं के अधिकारों को पीछे धकेला है। परिणामस्वरूप, कई स्थानों पर महिलाओं को शिक्षा से वंचित किया जाता है, उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं और उन्हें सार्वजनिक जीवन से दूर रखा जाता है। युवा, शिक्षित मुसलमानों, विद्वानों और विशेष रूप से मुस्लिम महिलाओं को कुरआन और पैगम्बर की परंपरा के आधार पर इन प्रवृत्तियों को चुनौती देनी चाहिए। उन्हें यह स्पष्ट रूप से कहना चाहिए कि महिलाओं की स्वतंत्रता कोई पश्चिमी अवधारणा नहीं, बल्कि उनकी अपनी धार्मिक पहचान का मूल हिस्सा है।

इसके लिए इज्तिहाद–स्वतंत्र धार्मिक-वैधानिक चिंतन–महत्वपूर्ण है, जिसके माध्यम से पितृसत्तात्मक परंपराओं को चुनौती देकर न्याय और समानता जैसे इस्लामी मूल्यों को उजागर किया जा सकता है। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी भी इस्लामी परंपरा में उनकी स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस्लाम के प्रारंभिक दौर से ही महिलाएँ सामुदायिक मामलों में सक्रिय रही हैं। इतिहास में महिलाओं द्वारा नेताओं को सलाह देने और आवश्यकता पड़ने पर युद्धों में भी भाग लेने के उदाहरण मिलते हैं।

आज इस विरासत का रूपांतरण वैश्विक स्तर पर मुस्लिम महिलाओं की राजनीतिक, वैज्ञानिक और कलात्मक क्षेत्रों में सक्रिय भागीदारी में होना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में उनकी उपस्थिति धर्म से दूर जाना नहीं, बल्कि धार्मिक मूल्यों की अभिव्यक्ति है। भारतीय मुस्लिम समाज में–विशेषकर महिलाओं के बीच–इस दिशा में अपार संभावनाएँ हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली मुस्लिम महिलाओं की ऐतिहासिक विरासत को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। भारतीय मुस्लिम महिलाओं को अपनी धार्मिक पहचान को राजनीतिक, व्यावसायिक और सामाजिक आकांक्षाओं के साथ जोड़कर ह्लस्वतंत्र स्त्रीह्व की अवधारणा को नए सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है, इस्लाम में महिलाओं की स्वतंत्रता एक गतिशील और विकसित होती प्रक्रिया है–ऐसी प्रक्रिया जिसमें महिला के चुनावों को, चाहे वे काम करने के हों, घर में रहने के हों, नेतृत्व करने के हों या सहयोग करने के, ईश्वरप्रदत्त अधिकारों की अभिव्यक्ति के रूप में मान्यता दी जाती है। इस्लामी ढाँचा मानवाधिकारों की वैश्विक बहस को एक अलग दृष्टि देता है, क्योंकि वह बताता है कि सच्ची स्वतंत्रता तभी मिलती है जब सामाजिक और कानूनी अधिकार उच्च नैतिक उद्देश्यों पर आधारित हों। मानव व्यक्ति की अंतर्निहित गरिमा पर जोर देते हुए, इस्लाम आधुनिक दुनिया में महिलाओं को झेलने पड़ने वाले विभिन्न प्रकार के शोषण के विरुद्ध मजबूत संरक्षण प्रदान करता है। आधुनिक मुस्लिम दुनिया–विशेषकर भारतीय मुस्लिम समाज–को इन आदर्शों को व्यवहार में उतारने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए, ताकि प्रत्येक महिला के लिए स्वतंत्रता केवल एक अवधारणा न रहकर एक जीवंत वास्तविकता बन सके इसके लिए सभी पहलुओं पर विचार करने की जरूरत है,

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है

ट्रेंड

मकर संक्रांति व पोंगल की बधाई

पोंगल का त्योहार हमें प्रकृति, परिवार और समाज के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखने का महत्व सिखाता है। जमीन और सूरज के प्रति हमारी कृतज्ञता दिखाता है। मकर संक्राति और पोंगल कि देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

देशवासियों के कल्याण की कामना

स्वसंस्कृति व स्वधर्म की रक्षा के लिए सरबंस दानी गुरु गोबिंद सिंह जी ने त्याग व बलिदान के जो आदर्श स्थापित किए थे, वे हर देशवासी के लिए आज भी प्रेरणास्रोत हैं। आज अहमदाबाद के थलतेज में गुरुद्वारा गोबिंद धाम में मत्था टेक कर देशवासियों के कल्याण की कामना की। -अमित शाह, गृह मंत्री

वेटरन्स को उचित सम्मान

सेना से सेवानिवृत होने के बाद जीवन का एक नया अध्याय शुरू होता है। सरकार का प्रयास है कि यह अध्याय गरिमा और आत्मनिर्भरता से परिपूर्ण हो। अपने वेटरन्स के साथ-साथ हम उन सैनिकों को भी उचित सम्मान दे रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। -राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

तमिल संस्कृति पर हमला

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से 'जना नायकन' को रोकने की कोशिश तमिल संस्कृति पर हमला है। मिस्टर मोदी, आप कभी भी तमिल लोगों की आवाज को दबाने में सफल नहीं होंगे। भारत लोकतांत्रिक देश है व लोकतंत्र का मतलब है कि हर नागरिक की आवाज सुनी जाए। -राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय की 'रेड' पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

कोर्ट ने ईडी अधिकारियों पर एफआईआर पर लगाई रोक, 2 हफ्ते में दोनों से मांगा जवाब

ममता को अदालत से लगा झटका

शीर्ष कोर्ट ने बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी से मांगा हलफनामा, अदालत ने कहा सीसीटीवी फुटेज, दस्तावेज सुरक्षित रखें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोलकाता में बीते 8जनवरी को आई-पैक के कार्यालय और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर हुई प्रवर्तन निदेशालय की रेड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई। इस मामले में ईडी और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट में अब अगली सुनवाई 3 फरवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य के डीजीपी को नोटिस जारी किया है। अदालत ने दोनों को दो हफ्ते में जवाब देने का आदेश दिया है। अदालत ने ईडी की याचिका पर नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई तक ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर पर रोक रहेगी। कोर्ट ने कहा कि एजेंसी के काम में दखल नहीं दे सकती। कोर्ट ने सीसीटीवी समेत सभी दस्तावेजों को सुरक्षित रखने का आदेश भी दिया।

अगली सुनवाई तीन फरवरी को

टीएमसी ने भीड़ ऐसे बुला ली जैसे जंतर-मंतर हो

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल पंचोली की पीठ ने कहा है कि वह इस मामले में नोटिस जारी कर तथ्यों की जांच करेगी। कोर्ट ने कोलकाता हाईकोर्ट में ईडी की याचिका की सुनवाई के दौरान हुई अव्यवस्था पर भी गंभीर चिंता जताई। ईडी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि एजेंसी 14 जनवरी को हाईकोर्ट में हुई सुनवाई से संतुष्ट नहीं है। सुनवाई के दौरान ईडी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा। ईडी ने आरोप लगाया कि कोर्ट रूम में बार-बार माइक बंद हो रहा था, जिससे पक्ष रखने में दिक्कत आई।

ईडी के आरोप गलत, ममता ने बाधा नहीं डालीः सिब्बल

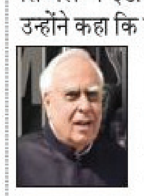

बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने ईडी के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री केवल प्रतीक जैन का लैपटॉप और उनका निजी आईफोन लेकर गई थीं, क्योंकि उसमें चुनाव से जुड़ा संवेदनशील डेटा था। सिब्बल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रेड में कोई रुकावट नहीं डाली। कोर्ट ने टिप्पणी की कि अगर ईडी दस्तावेज जब्त करना चाहती, तो वह ऐसा कर सकती थी। कोर्ट ने साफ कहा हमें इस मामले की जांच करनी होगी।

चुनाव के समय अचानक रेड क्यों?

सिब्बल ने सवाल उठाया कि अगर कोयला घोटाले की जांच पहले से चल रही थी, तो चुनाव के समय रेड क्यों की गई।?इस पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि बंगाल में चुनाव आई-पैक नहीं, बल्कि चुनाव आयोग कराता है।

याचिका में लगाए गए आरोप गलतः सिंघवी

राज्य सरकार और डीजीपी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यदि कोर्ट नोटिस जारी करता भी है, तो यह साफ किया जाए कि यह उनकी आपत्ति के अधीन होगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ईडी फोरम शॉपिंग कर रही है, क्योंकि इसी तरह की राहत पहले ही हाईकोर्ट से मांगी जा चुकी है। ईडी की याचिका में लगाए गए आरोप और पंचनामा एक-दूसरे से मेल नहीं खाते।

उपस्थित अधिकारियों को निलंबित किया जाएः एसजी मेहता और राजू

ईडी ने कोर्ट में आरोप लगाया कि रेड के दौरान सीएम ममता इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों व अहम दस्तावेजों को जबरन साथ ले गईं। मेहता और राजू ने जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और विपुल पंचोली की पीठ को बताया कि कहा कि मुख्यमंत्री के साथ बंगाल के डीजीपी और बड़ी पुलिस टीम भी मौजूद थी। ईडी का दावा है कि पुलिस ने एजेंसी के अधिकारियों के मोबाइल फोन तक छीन लिए।

ईडी तो कोयला घोटाला की जांच कर रही थी...

कोर्ट ने ईडी से पूछा कि वह वहां किस जांच के सिलसिले में गई थी? मेहता ने कहा कि ईडी अवैध कोयला घोटाले की जांच कर रही थी, न कि किसी चुनावी डेटा को जब्त करने। जांच में हवाला चैनल और करीब 20 करोड़ के नकद लेन-देन के सबूत मिले हैं। आई-पैक से जुड़े 10 ठिकानों पर तलाशी ली थी।

डीजीपी राजीव को निलंबित करें

ईडी ने नई याचिका दायर की है, जिसमें पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार के निलंबन की मांग की गई है। ईडी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की भी मांग की है, आरोप लगाते हुए कि उन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया।

बिरला का सीएसपीओसी में स्वागत भाषण

चुनौतियों से निपटने सामूहिक विवेक, साझा जिम्मेदारी जरूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) में स्वागत भाषण देते हुए राष्ट्रमंडल के संसदीय मंच की भूमिका पर बल दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे मंच विभिन्न देशों के पीठासीन अधिकारियों को वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए एक साथ लाने की विशिष्ट क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे विश्व के विधानमंडलों के समक्ष उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक विवेक और साझा जिम्मेदारी आवश्यक है।

एआई से होगी कार्यकुशलता में वृद्धि

बिरला ने समाज और शासन को प्रभावित कर रहे तीव्र तकनीकी परिवर्तनों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) तथा सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक संस्थानों की कार्यकुशलता और प्रभावशीलता में वृद्धि की है। उन्होंने यह भी कहा कि इनके दुरुपयोग से दुष्प्रचार, साइबर अपराध और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसी गंभीर चिंताएं उत्पन्न हुई और इन चुनौतियों से गंभीरता से निपटना और उपयुक्त समाधान निकालना विधायिकाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए नैतिक आर्टिफिशल इंटेलिजेंस तथा विश्वसनीय, पारदर्शी और जवाबदेह सोशल मीडिया ढांचों के बढ़ते महत्व पर बल दिया।

विधायी संस्थाओं को पेपरलेस बना रहे

भारत के अनुभव को रेखांकित करते हुए बिरला ने बताया कि भारत की संसद और राज्य विधानसभाओं में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाओं को उत्तरोत्तर पेपरलेस बनाया जा रहा है और उन्हें एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से जोड़ा जा रहा है, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और सुलभता के नए मानक स्थापित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि संसद और सरकार के साझे प्रयासों से भारत ने अनेक पुराने और अनावश्यक कानूनों को हटाया है, नए जनकल्याणकारी कानून बनाए हैं तथा जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप नीतियां तैयार की हैं।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पानसाय पत्नी देवचंद जाति कंवर निवासी रूखपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम रूखपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 283/1, रकबा 0.043 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, सेटलमेन्ट, पंचायत प्रस्ताव की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 21/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 05/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा)अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क० / 202512021200016/अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदिका बबीता जैन पत्नी दिनेश कुमार जैन उम्र लगभग 43 वर्ष जाति जैन निवासी एम.जी. रोड अम्बिकापुर, थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला ब्रम्हरोड नगर अम्बिकापुर, शीट नम्बर-3 स्थित नूजल प्लाट नम्बर 857/7 रकबा 0.032,1/4 एकड़ 760 वर्गफीट भूमि को बैंक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र मय शपथ पत्र, मेंटनेंस खसरा की छायाप्रति के साथ पेश किया गया है उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 15/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी,
अम्बिकापुर

उत्तराखंड के चमोली में आग

नंदा देवी वन में लगी आग पर काबू पाने हेलिकॉप्टर तैनात

एजेंसी ▶▶ चमोली

उत्तराखंड के चमोली जिले में नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के गोविंदघाट रेंज में अलकनंदा और लक्ष्मण गंगा नदियों के बीच स्थित पथरीले इलाके में जंगल में आग लगने के बाद जिला प्रशासन को पूरी तरह से अलर्ट कर दिया गया है। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के गोविंदघाट रेंज में अलकनंदा और लक्ष्मण गंगा नदियों के बीच चट्टानी क्षेत्र में लगी जंगल की आग को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। क्षेत्र की दुर्गमता को देखते हुए,

हेलीकॉप्टर का उपयोग करके हवाई टोही और अग्निशमन के लिए एक योजना तैयार की गई है। जिला मजिस्ट्रेट गौरव कुमार की पहल पर हेलीकॉप्टर से सर्वेक्षण की अनुमति दे दी गई है। डीएफओ सर्वेश दुबे ने बताया कि घाटी और हेमकुंड साहिब सुरक्षित हैं। जमीनी टीमें हेलीकॉप्टर और ड्रोन की निगरानी से आग बुझाने का काम कर रही हैं।

पश्चिम बंगाल में निपाह का डर

3 और लोगों में संक्रमण का खतरा, अब तक 5 संक्रमित

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में इन दिनों निपाह वायरस का असर देखा जा रहा है। अब तीन अन्य लोगों को निपाह से संक्रमित पाया गया है। इसके साथ अब पश्चिम बंगाल में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 5 हो गई है।पहले जिन दो स्वास्थ्य कर्मियों को संक्रमित पाया गया था, उनका अब भी आईसीयू में इलाज चल रहा है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इन मरीजों के संपर्क में आए करीब 120 लोगों को ट्रैक किया है।

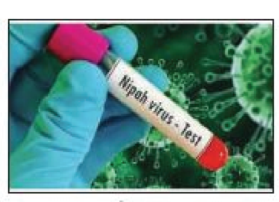

संक्रमण और बढ़ा

इस संक्रामक बीमारी ने डॉक्टर्स को अलर्ट कर दिया है। निपाह के संक्रमण की दर और मृत्यु का खतरा दोनों ही अधिक रहता है। 40-70 फीसदी मरीजों की मौत हो जाती है। इ स पर स्थानीय लोगों को सावधानी बरतते रहने की सलाह दी गई है।

साइबर फ्राड का शिकार हुई महिला को वापस कराए गए 35,000 रुपये, साइबर पुलिस की तत्परता से मिली राहत

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) एवं क्षेत्राधिकारी के दिशा- निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना, सोनभद्र की टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए साइबर फ्राड से पीड़ित महिला की संपूर्ण धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई। प्रकरण में आवेदिका प्रगति केशरी पत्नी रिशु केशरी, निवासी वार्ड संख्या 25, दीप नगर, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा साइबर फ्राड किया गया था, जिसके संबंध में आवेदिका द्वारा ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत प्राप्त होते ही साइबर क्राइम पुलिस थाना की टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं खाताधारक से पत्राचार कर आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की गई, जिसके परिणामस्वरूप 35,000/- रुपये की संपूर्ण धनराशि आवेदिका के बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराई गई। धनराशि वापस मिलने पर आवेदिका द्वारा पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी एवं साइबर क्राइम पुलिस थाना के अधिकारी/कर्मचारीगण की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई।

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क० ब 121/2021-22-2026

ग्राम कोट आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका संतोष सिंह आ०/पति श्यामलाल जाति गोंड निवासी ग्राम कोट लिंक कोर्ट देवनगर तहसीले रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदक आवेदिका आपने बाबा स्व देवसाय का विलम्ब / जन्म / मृत्यू प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बावत अनुलब्धता प्रमाण मय पत्र असमयक दास्तावेज के साथ न्यायलय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। मृत्यु दिनांक 9/10/2006 अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वम। अथवा किसी विविध प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 28/01/2026 को न्यायीलयीन समयवधि में उपस्थित हो कर दावा / आपत्ति पेश कर सकतें है। उसके प्रयचात दावा आपत्ति में कोई विचार नही किया जायेगा। आज दिनांक 14/01/2026 को न्यायलीन पदमुद्रा एंव मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

नायब तहसीलदार
लिंक कोर्ट देवनगर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अलोइस टोप्पो पिता अगनु टोप्पो जाति उरांव निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 40/302 रकबा 0.040 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, अधिकार अभिलेख, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700063/

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः राजस्व

सनः-2025-2026

माझापारा प.ह.न. 00026 [253/1(0.020080)] पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - जितेन्द्र बाबु,

अनावेदक पक्षकार -हरिशंकर विश्वकर्मा, रविशंकर विश्वकर्मा, उदय शंकर विश्वकर्मा,शिवशंकर विश्वकर्मा, शकुन्तला विश्वकर्मा,

ईश्तहार

आवेदक जितेन्द्र बाबु आ० अनिल कुमार व अन्य निवासी शिवाजी कॉम्पलेक्स नवजीवन बिहार सिंगरौली विन्ध्यानगर सिंगरौली म०प्र० के द्वारा ग्राम माझापाराा स्थित भूमि खसरा नंबर 253/1 रकबा 0.690 हे0 मे से रकबा 0.020 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 26/10 /2020 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700062

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणी राजस्व

सनः-2025-2026

माझापारा प.ह.न. 00026 [253/1(0.0200हे0)] पक्षकारों का विवरण- आवेदक पक्षकार- विकास तिवारी,

अनावेदक पक्षकार - हरिशंकर विश्वकर्मा, रविशंकर विश्वकर्मा, उदय शंकर विश्वकर्मा, शिवशंकर विश्वकर्मा, शकुन्तला विश्वकर्मा,

ईश्तहार

आवेदक विकास तिवारी आ०सुभाष तिवारी जाति ब्राम्हण निवासी न्यू माईन्स कॉलोनी भटगांव तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम माझापाराा स्थित भूमि खसरा नंबर 253/1 रकबा 0.690 हे० मेसे रकबा 0.020 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 26/10/2020 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील- अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आलोका पिता साधूचरण निवासी ग्राम सुभाषनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०) के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित भूमि खसरा नंबर 185/2 रकबा 1.350 हे0 मेसे रकबा 0.010 है० भूमि को अनावेदक गीता सोनी पति रमेश सोनी निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग० के पास अंकन राषि रुपए 20,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है. जो जांच एव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 18/02/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इत्त न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक- 14/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर सरगुजा

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर, जिला सरगुजा, (छ०ग०)

ईश्तहार

रा०प्र०क्र० /अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मो0 खुर्शीद अंसारी पिता मो0 यासीन अंसारी जाति जुलाहा निवासी श्रीगढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम श्रीगढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) खसरा नंबर 124/14 रकबा 0.020 हे० भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 23/01/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 16 /01 / 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा). अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202601020700070

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणी राजस्व

सनः-2025-3026

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [2141/4(0.024080)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार -शंकर प्रसाद गुप्ता.

अनावेदक पक्षकार दुलारी देवी,

ईश्तहार

आवेदक शंकर प्रसाद गुप्ता पिता मुराहू साव व अन्य निवासी शिकारी रोड बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 2141/4 रकबा 0.024 है० भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04/02/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वप अथवा अप अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विवा नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 12/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील - अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202601020700064

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सन्नः- 2025-2026

माझापारा प.ह.न. 00026 [253/69(0.0200हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - प्रतिमा तिवारी,

अनावेदक पक्षकार - उषा सोनी,

ईश्तहार

आवेदिका प्रतिमा तिवारी पत्नी अरूनजय तिवारी निवासी न्यू माईन्स कॉलोनी भटगांव तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा ग्राम माझापरा स्थित भूमि खसरा नंबर 253/69 रकबा 0.060 हे0 मेसे रकबा 0.020 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 21/02/2022 के माध्यम से नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 08/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०

ईश्तहार

रा०प्र०क्र०- /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण पुष्पा वर्मा पत्नि स्व. बसंत कुमार वर्मा, निशांत कुमार वर्मा आ.स्व. बसंत कुमार वर्मा, दोनों निवासी गुदरी चौक अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण के पति/पिता बसंत कुमार वर्मा के स्वामित्व व अधिपत्य की मोहल्ला गुदरी बाजार नगर अम्बिकापुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 1141/20 रकबा 0.16 एकड़ भूमि है। भूधारक बसंत कुमार वर्मा की मृत्यु दिनांक 10/03/2025 को हो गई है। अतः भूधारक बसंत कुमार वर्मा की मृत्यु हो जाने उपरांत आवेदकगण द्वारा स्वयं को मृत्तक भूधारक के वैद्य वारिसान बताते हुए उक्त भूखण्ड से उनका नाम विलोपित कर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 06./02 / 2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 9/01/2026 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब अकसर सताए पेट में गैस की समस्या

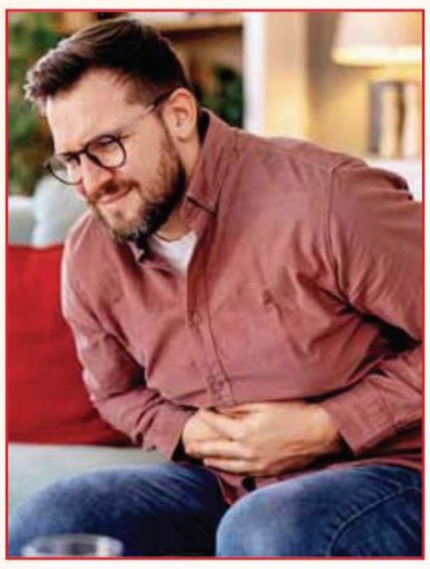

मेरी उम्र 38 वर्ष है। पिछले काफी महीनों से मुझे गैस प्रॉब्लम हो रही है। कभी कभार तो चक्कर और वॉमिट भी होने लगता है। इससे छुटकारा पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए ?

-नरेश, भोपाल

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है। इसके लिए आप अपनी खान-पान और लाइफस्टाइल में बदलाव करें। अधिक ऑयली, तला-भुना खाना बिल्कुल ना खाएं। दोपहर के खाने में सलाद जरूर खाएं। रात का खाना बिल्कुल हल्का करें और सोने से 3 घंटे पहले खाना खा लें। दूध रात में बिल्कुल ना लें। इस तरह बदलाव करने से आपको आराम मिलेगा।

मेरी उम्र 34 वर्ष है। सर्दी के मौसम में मेरे बाल ज्यादा झड़ने लगते हैं। बालों में डेंड्रफ भी हो रही है। कृपया बताएं कि इस समस्या से निजात पाने के लिए मुझे क्या करना चाहिए ?

-अंकुश, रायपुर

सर्दियों के मौसम में बाल झड़ने की समस्या ज्यादा होती है, इसकी कई वजहें हैं। पहला डेंड्रफ अधिक होता है, लोग रोज तेज गर्म पानी से नहाते हैं, इसके साथ ही बाल ज्यादातर ढंक कर रखते हैं, इसलिए स्कैल्प को सनलाइट नहीं मिल पाती है। कोशिश करें कि नहाने के बाद थोड़ी देर धूप में बैठें। साथ ही ज्यादा गर्म पानी से ना नहाएं। पानी नॉर्मल होना चाहिए। तरह-तरह के शैंपू के इस्तेमाल से भी बचें।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ महीनों से मुझे बार-बार सर्दी-जुकाम की प्रॉब्लम हो रही है। दवाई लेने पर ठीक हो जाती है, कुछ दिनों बाद फिर से यही प्रॉब्लम शुरू हो जाती है। कृपया मेरी इस समस्या का कोई स्थाई समाधान बताने का कष्ट करें।

-गौतम, बिलासपुर

आजकल बड़े शहरों में होने वाले प्रदूषण की वजह से इस तरह की समस्या लोगों में देखने को ज्यादा मिल रही हैं। इससे बचने के लिए आप कोशिश करें कि घर से बाहर मास्क लगाकर ही निकलें और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन सी यानी खट्टे फल अधिक खाएं। कोशिश करें कि फ्रिज में रखी ठंडी डिशेज और ड्रिंक न खाएं-पिएं। दही ताजा ही खाएं। इस तरह बदलाव करने से राहत मिलेगी।

मेरी उम्र 64 वर्ष है। मैं अकसर अपने यूरीन प्रेशर पर कंट्रोल नहीं कर पाता हूं। इसकी क्या वजह हो सकती है ? कृपया इसके समाधान का कोई उपाय बताएं।

-राकेश, रोहतक

बढ़ती उम्र में लोगों को प्रोस्टेट की समस्या देखी जाती है, आपकी समस्या सुनकर भी यही लग रहा है। हालांकि आजकल तो कम उम्र के लोगों में भी यह समस्या हो रही है। आपको एक बार यूरोलॉजिस्ट से संपर्क कर लेना चाहिए। अगर ज्यादा प्रॉब्लम हो रही है और ऑपरेट करने लायक होगा तो डॉक्टर जांच करने के बाद आपको सजेस्ट करेंगे। आपको कुछ एहतियात बरतने होंगे, जिनके बारे में डॉक्टर बताएंगे। बगैर जांच किए कोई भी दवा ना खाएं।

मेरी उम्र 51 वर्ष है। जब कभी भी मैं ज्यादा चलता हूं या वॉक कर लेता हूं तो मेरे पैरों में सूजन हो जाती है। फिर अपने आप ठीक भी हो जाती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है ?

-रामप्रकाश, बलौदा बाजार

आपको शुगर की समस्या तो नहीं है और अगर है तो आपने शुगर जांच कराना चाहिए। कई बार शुगर बढ़ने की वजह से भी सूजन आ जाती है। हालांकि कई बार मांसपेशियों की वजह से ऐसी समस्या देखी जाती है। फिलहाल आप कोशिश करें कि कम से कम टहलें और एक बार डॉक्टर से संपर्क कर जांच करा लें। उसके बाद ही ट्रीटमेंट हो पाएगा। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

अवेयरनेस

डॉ. माजिद अलीम

इन दिनों उत्तर और मध्य भारत के अधिकांश राज्यों में कड़ाके की ठंड हो रही है। ऐसे में हार्ट और बीपी पेशेंट्स को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। जरा सी लापरवाही आपके हार्ट पर भारी पड़ सकती है, जो बहुत रिस्की हो सकता है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि किस तरह आप अपने हार्ट की प्रॉपर केयर कर सकते हैं? इस बारे में यहां डिटेल में बता रहे हैं।

ठिठुरती सर्दी के दिनों में हार्ट की करें प्रॉपर केयर

जनवरी महीने की ठंड में आमतौर पर लोग सर्दी-खांसी, फीवर से ग्रस्त होते रहते हैं। लेकिन यही ठिठुरन भरी सर्दी हमारे हृदय पर भी भारी पड़ सकती है, यह हममें से ज्यादातर लोग नहीं जानते हैं। दरअसल, सर्दियों में, खासकर दिसंबर मध्य से लेकर फरवरी की शुरुआत के बीच हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी आपात स्थितियों के मामले भारत में सबसे ज्यादा दर्ज होते हैं। लेकिन विंडबना यह है कि ज्यादातर लोग इसे मौसम का मामूली असर मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। जबकि हकीकत यह है कि ठंड शरीर के भीतर ऐसी कई प्रतिक्रियाएं शुरू कर देती है, जो हृदय के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकती हैं।

ठंड का हार्ट पर असर

ठंड लगते ही शरीर अपनी गर्मी बचाने के लिए रक्त नलिकाओं को सिकोड़ने लगता है, इससे अचानक रक्तचाप बढ़ जाता है। दिल को उसी मात्रा में खून पंप करने के लिए तब ज्यादा जोर लगाना पड़ता है। जिन लोगों को पहले से ही हाई ब्लडप्रेशर, शुगर या दिल की बीमारी हो, उन्हें ठंड के मौसम में कोई भी खतरा मोल नहीं लेना चाहिए, क्योंकि जरा-सी लापरवाही ऐसे लोगों के लिए बहुत खतरनाक हो सकती है। कई मामलों में दिल की धमनियों में पहले से ही जमी चर्बी ठंड के कारण सिकुड़न और दबाव से टूट सकती है, जिससे अचानक हार्ट अटैक का खतरा पैदा हो जाता है।

सुबह का समय सबसे रिस्की

जनवरी के महीने में खासतौर पर दिल के दौरे के मामले सबसे ज्यादा आते हैं और ये ज्यादातर दौरे सुबह के समय ही दर्ज होते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है कम तापमान। नींद से अचानक उठना और ठंडे फर्श पर पैर रखना तथा वैसी ही स्थिति में शारीरिक गतिविधियां शुरू कर देना रिस्क बढ़ा देता है। जनवरी का महीना खासतौर पर उन लोगों के लिए बेहद खतरनाक होता है, जो सुबह 5-6 बजे जगते हैं और मॉर्निंग वॉक के लिए चल पड़ते हैं। ऐसे लोगों को पता नहीं होता कि वे अनजाने में कितना बड़ा रिस्क ले रहे हैं। दरअसल, ठंड में शरीर की धमनियां पहले से ही संकुचित होती हैं और अचानक तेज चलना या कसरत करने पर दिल पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। इसलिए सर्दी के दिनों में सुबह की सैर टाल देनी चाहिए या फिर ऐसी जगह पर करनी चाहिए, जो चारो तरफ से बंद हो।

बुजुर्गों के लिए ज्यादा खतरा

ठंड का असर उम्र के साथ और गहरा होता जाता है। बुजुर्गों में शरीर के तापमान को नियंत्रित करने की क्षमता कम हो जाती है। कई बार उन्हें ठंड का एहसास देर से होता है। इसलिए बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए ठंड की ठिठुरन बहुत खतरनाक होती है। लेकिन इस उम्र के लोग उसे पहचान नहीं पाते। सीने में दबाव महसूस करना, सांस का रह-रहकर फूलना, असहज बेचैनी होना, इसे ठंड की वजह मानकर नहीं चलना चाहिए। ऐसी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है।

ब्लड सर्कुलेशन की समस्या

ठंड में चूंकि लोग कम पानी पीते हैं, इस कारण खून गाढ़ा हो जाता है। गाढ़े खून में थक्का बनने की आशंका बढ़ जाती है। यही थक्का या ब्लड क्लॉट वास्तव में हमारे दिल या दिमाग की किसी नली में अगर फंस जाता है, तो हार्ट अटैक या स्ट्रोक हो सकता है। इसके अलावा ठंड में प्रदूषण और कोहरे का असर सांस की नलियों पर पड़ता है, जिससे ऑक्सीजन की आपूर्ति प्रभावित होती है और उसका सीधा दबाव दिल पर पड़ता है। इसलिए सर्दियों में हार्ट अटैक बाकी सभी मौसमों के मुकाबले ज्यादा होते हैं। यही नहीं सर्दियों में हार्ट अटैक कई बार बड़े छुपे किस्म के होते हैं यानी पता ही नहीं चलता कि यह हार्ट अटैक के लक्षण हैं या किसी और समस्या के।

तब न बरतें लापरवाही

ठिठुरती सर्दी के इस मौसम में अगर सीने में तेज दर्द की बजाय भारीपन महसूस हो, जलन होने लगे, सांस लेने में परेशानी हो और बाएं हाथ या जबड़े में अचानक दर्द महसूस हो तथा पसीना आ जाए तो यह नहीं मानना चाहिए कि यह ठंड का असर है बल्कि तुरंत मानना चाहिए कि हार्ट अटैक के लक्षण हैं और तुरंत डॉक्टरी सहायता लेनी चाहिए।

इन बातों पर करें अमल

सर्दी के इस मौसम में भी आपका हृदय अच्छे से काम करे, हार्ट अटैक का रिस्क कम हो जाए इसके लिए कुछ बातों पर अमल करें।

- सूरज निकलने से पहले सुबह घर से बाहर खुले मैदान में वॉकिंग करने यानी टहलने से बचें। अगर जाएं तो तब ही जाएं जब धूप अच्छी तरह निकल आए।
- गर्म कपड़े ठीक से पहनें, खासकर छाती और कानों को लगातार ढंके रहें।
- जब सर्दी ज्यादा हो और प्यास बिल्कुल न लग रही हो, तब भी पानी पीते रहें। भले बहुत कम पिएं, लेकिन रह-रहकर पानी पिएं।
- ठिठुरती सर्दी के दिनों में ज्यादा एक्सरसाइज कभी न करें, बस हल्के से वार्मअप कर लें।
- अपने बीपी और शुगर की नियमित जांच करें।
- अगर आपको सीने में अचानक तेज दर्द महसूस हो, चाहे उसकी कोई वजह हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- अकेले रहने वाले बुजुर्गों को अपनी हार्ट केयर पूरी सावधानी से करनी चाहिए। *

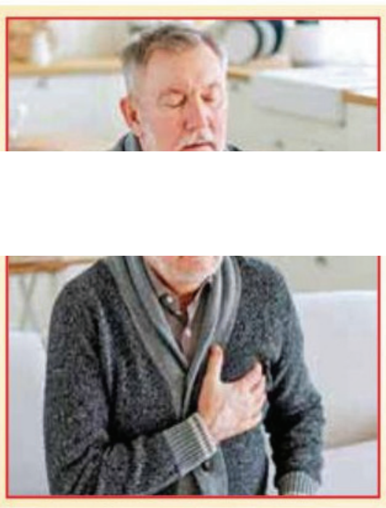

क्या कहते हैं हृदय संबंधी रोगों के आंकड़े

आंकड़े बताते हैं कि अपने देश में हर साल विभिन्न रोगों से जितनी मौतें होती हैं, उनमें से अकेले हृदय रोगों से 30 से 32 फीसदी लोगों की मौत होती हैं। कहने का मतलब कैंसर, श्वसन रोग, टीबी या संक्रमण आदि किसी भी बीमारी से कहीं ज्यादा लोग हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट से दम तोड़ते हैं। माना जाता है कि लगभग 62 लाख लोग हर साल हृदय रोगों से अपनी जान गंवाते हैं। इसका मतलब यह है कि हर दिन लगभग 17 हजार लोग हृदय रोग से दम तोड़ते हैं यानी हर घंटे 707 और हर मिनट में करीब 12 लोग हृदय रोगों के कारण खत्म हो जाते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में हृदय रोग कितनी गंभीर समस्या है। शहरी क्षेत्रों में हृदय रोग की दर 10 से 12 फीसदी है, तो गांवों में अभी भी 4 से 5 फीसदी है। हालांकि पहले हृदय रोग को शहरों की बीमारी ही माना जाता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। देश के 25 फीसदी से ज्यादा वयस्कों को 18 साल के बाद ही हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत हो रही है। भारतीयों को पश्चिमी देशों के लोगों की तुलना में दस साल पहले अगर हार्ट अटैक आ रहा है तो उसकी वजह यही है कि देश के युवाओं को बड़े पैमाने पर हाइपर टेंशन ने अपनी गिरफ्त में ले लिया है। भारत में हृदय रोगों से बढ़ती मौतों का सबसे बड़ा कारण अस्वस्थ जीवनशैली है। जंक फूड, तैलीय खान-पान, धूम्रपान, शराब की लत और कम व्यायाम भी एक बड़ी समस्या है।

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. समीर कौशल

डायरेक्टर एंड हेड-ऑफ्थेलमोलॉजी मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

ग्लूकोमा आंखों से संबंधित गंभीर बीमारी है, जिसमें लापरवाही बरतने पर रोशनी हमेशा के लिए जा सकती है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप इसके आरंभिक लक्षणों के साथ इसे कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में भी जानें। इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

कभी इग्नोर ना करें ग्लूकोमा के लक्षण

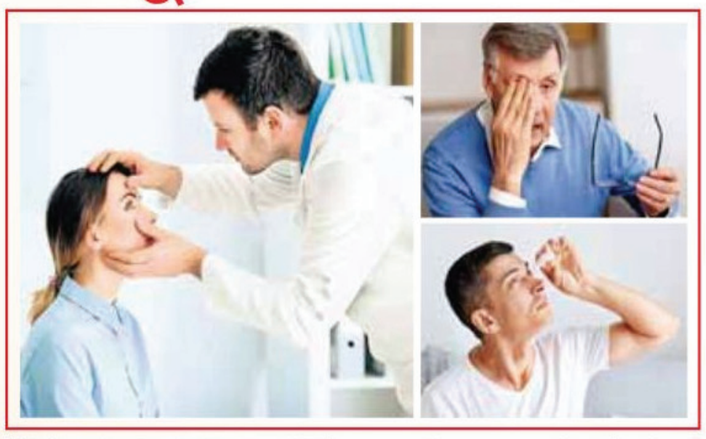

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार, दुनिया भर में दृष्टिहीनता (अंधेपन) का दूसरा प्रमुख कारण ग्लूकोमा (काला मोतिया) है। हमारे देश में ही 1 से 2 करोड़ ग्लूकोमा के मरीज हैं। ग्लूकोमा से हुई आंखों को क्षति की भरपाई नहीं की जा सकती। इसलिए ग्लूकोमा को हल्के में लेना नेत्रों की सेहत के लिहाज से भारी पड़ सकता है। यही कारण है कि इस बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने और बचाव के लिए हर साल जनवरी में 'ग्लूकोमा अवेयरनेस मंथ' का आयोजन किया जाता है।

शुरुआत में दिखते हैं हल्के लक्षण: ग्लूकोमा के इलाज में समस्या इसलिए आती है क्योंकि इस में शुरुआत में मरीज को कोई लक्षण नजर नहीं आते। जब तक स्पष्ट लक्षण सामने आने शुरू होते हैं, तब तक बहुत नुकसान हो चुका होता है। यहां कुछ ऐसे हल्के लक्षणों के बारे में बता रहे हैं, जिनके नजर आने पर आपको तुरंत अपनी आंखों की जांच करना चरहिए, ताकि ग्लूकोमा को शुरुआत में ही पहचान लिया जाए।

- दृष्टि का धुंधला होना।
- दृष्टि में धब्बे दिखाई पड़ना।
- पास रखी या दूर की वस्तुओं को साफ देखने में दिक्कत महसूस होना।
- सिरदर्द और आंखों में तेज दर्द होना
- प्रकाश में चारों ओर रंगीन छल्ले जैसा नजर आना।
- आंखों में लालिमा होना।
- ऑप्टिक नर्व का धीरे धीरे खराब होना।

ऑप्टिक नर्व को होता है नुकसान: ग्लूकोमा में आंखों की ऑप्टिक नर्व धीरे-धीरे खराब होती रहती है। आंखों मे अतिरिक्त दबाव (प्रेशर) बनता है, जिसे मेडिकल भाषा में इंट्राऑकुलर प्रेशर (आईओपी) कहा जाता है। ऑप्टिक नर्व पर लगातार दबाव पड़ने से वह नष्ट भी हो सकती हैं, जिसके दुष्परिणामस्वरूप दृष्टिहीनता भी संभव है। ऑप्टिक नर्व ही मस्तिष्क को किसी वस्तु का चित्र प्रेषित करती हैं। ग्लूकोमा के कारण एक बार जब आंखों की रोशनी क्षीण हो जाती हैं तो उसे दोबारा वापस नहीं लाया जा सकता।

वैसे तो ग्लूकोमा किसी भी आयु वर्ग में हो सकता है लेकिन इसके ज्यादातर मामले 40 वर्ष के बाद सामने आते हैं।

ग्लूकोमा को कैसे करें नियंत्रित: स्पष्ट लक्षण दिखने का इंतजार नहीं करना चाहिए। रोग की प्रारंभिक अवस्था में नेत्र विशेषज्ञ से परामर्श लेकर इसे नियंत्रित कर सकते हैं। चालीस साल की उम्र के बाद सबको अपने नेत्र विशेषज्ञ के पास जाकर उनसे ग्लूकोमा के संदर्भ में परामर्श लेना चाहिए। नेत्र सर्जन आंखों में इंट्राऑकुलर प्रेशर की जांच करते हैं। जांच के जरिए अगर शुरुआती दौर में ग्लूकोमा का पता चल जाता है तो इस बीमारी को नियंत्रित करने में काफी हद तक मदद मिलती है।

इनसे बढ़ता है ग्लूकोमा का रिस्क: कुछ मामलों में ग्लूकोमा का रिस्क बढ़ सकता है। उनके बारे में जानना जरूरी है।

- 40 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में ग्लूकोमा का जोखिम अधिक होता है।
- जिन लोगों को डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग की समस्या है, उनमें ग्लूकोमा का खतरा अधिक होता है।
- ग्लूकोमा की समस्या आनुवांशिक या जेनेटिक भी हो सकती है।
- आंख में चोट लगने से भी नेत्रों के आंतरिक भाग पर दबाव बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप ग्लूकोमा का जोखिम बढ़ जाता है।
- जिन लोगों के चश्मे का नंबर ज्यादा होता है, उनके भी ग्लूकोमा होने की संभावना बढ़ जाती है।
- धूम्रपान से ग्लूकोमा का खतरा बढ़ता है और ऑप्टिक तंत्रिका को नुकसान पहुंच सकता है। इसी तरह लंबे समय तक स्टेरॉयड दवाओं के उपयोग से बचें, क्योंकि ये ग्लूकोमा को बढ़ा सकती हैं।

रोग बढ़ने से रोकने के तरीके: जांच के बाद ही नेत्र सर्जन ग्लूकोमा के इलाज की प्रक्रिया सुनिश्चित करते हैं। ग्लूकोमा के इलाज की प्रक्रिया यही है कि इस बीमारी के कारण आंखों को जो क्षति पहुंच चुकी है, उसे आगे बढ़ने से रोका जाए। आंखों को पहले से ही जो क्षति पहुंच चुकी है, उसकी क्षतिपूर्ति या रिकवरी नहीं हो सकती। ग्लूकोमा के इलाज का सबसे जरूरी स्टेप है इंट्राऑक्यूलर प्रेशर (आईओपी) को कम करना है ताकि आंख में होने वाले नुकसान को रोका जा सके।

दवाएं: आईओपी को कम करने के लिए कई दवाएं उपलब्ध हैं, जिन्हें नेत्र विशेषज्ञ आई ड्रॉप और टैब्लेट्स के रूप में देते हैं।

सर्जरी: अगर दवाइयों से इंट्राऑकुलर प्रेशर कंट्रोल नहीं होता, तब डॉक्टर सर्जरी की सलाह दे सकते हैं। ब्लॉकेज का कारण बन रहे टिश्यू को सर्जरी के जरिए हटा देते हैं। जरूरत पड़ने पर लेजर से भी इलाज किया जाता है।

इन उपायों से आंखें रहेंगी स्वस्थ: अपनी आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कुछ उपायों पर अमल कर सकते हैं। अगर शुरुआत से इन बातों पर ध्यान देंगे तो आपकी आंखें स्वस्थ रहेंगी, समस्याएं दूर रहेंगी।

- स्वच्छ हाथों को आपस में रगड़कर पलकों को एक से दो मिनट तक दबाएं। ऐसा करने से आंखों को राहत मिलती है।
- जहां तक संभव हो स्क्रीन टाइम को कम करें। ऐसा करना आंखों के स्वास्थ्य के लिए बेहतर रहेगा।
- नियमित रूप से व्यायाम करना भी आंखों की सेहत सही रखता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

डाइट में शामिल करें विटामिन ए रिच फूड्स

खान-पान में विटामिन ए को महत्व देने से ग्लूकोमा ठीक नहीं होता, लेकिन आंखों की सेहत को विटामिन ए युक्त खाद्य पदार्थ लेने से कुछ हद तक स्वस्थ रखा जा सकता है। नतीजतन कालांतर में ग्लूकोमा आदि नेत्रों से संबंधित बीमारियों के होने का जोखिम कम हो सकता है। विटामिन ए गाजर में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होता है। इसके अलावा टमाटर, हरी पत्तेदार सब्जियां, संतरा और पपीता आदि भी विटामिन ए के अच्छे स्रोत हैं। विटामिन ए एग और दूध में भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। इसलिए इनका सेवन अधिक करना चाहिए।

मेजबानी में इलेक्ट्रिक वाहन

पर्यटन विकास निगम ने सैलानियों की सहूलियत को छह इलेक्ट्रिक कार्ट खरीद कर यह संकेत दिया है कि अब वातावरण बदलने के लिए मेहनत होगी। न पर्यटन विकास निगम सिर्फ होटलों की श्रृंखला सरीखी रहेगा और न ही इमारतों के बीच पर्यटकों को सिर्फ छत उपलब्ध कराएगा। द चायल पैलेस, टी बड पालमपुर, देवदार खजियार तथा कसौली के न्यू रोज कॉमन जैसी पर्यटक इकाइयों के साथ इलेक्ट्रिक वाहन अब होटल से सैरगाह तक घुमाएंगे तो मनोरंजन के अनुभव स्टे की सार्थकता बढ़ाएंगे। अमूमन होटलों को अरामगाह बनाते हमने प्रकृति के सान्निध्य में सैरगाहें उजाड़ दी हैं। टी बड होटल के कॉन्सेप्ट में ही अगर चाय नगरी का अंदाज सीधे सैलानी से जुड़ जाए, तो पालमपुर में आने की वजह बढ़ जाएगी। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहन के जरिए अब टी बड आने वाले सैलानी टूअर के जरिए चाय बागानों के बीच खुद को जोड ? के अलावा फैक्टरी तक पहुंचकर इसके उपभोक्ता बन जाएंगे। स्थानीय उत्पादों, खान-पान के स्वादों और स्थानीय हलचल के बीच खुद को सम्मिलित करते हुए पर्यटक के लिए इलेक्ट्रिक वाहन का रूट अनौपचारिक सा संबंध कायम कर लेगा। कसौली, चायल और खजियार को दिल तक महसूस करने के लिए अगर पर्यटन निगम के होटल ऐसे कार्ट के जरिए बाहें फैलाते हैं, तो कई डेस्टिनेशन भविष्य के यादगार पलों की अगुवाई कर पाएंगे। दूसरी ओर इलेक्ट्रिक कार्ट बनाम टैक्सी के बीच एक व्यापक अंतर आएगा। होटल या परिवहन के औपचारिक, कठोर और नपे तुले संबंधों को अनौपचारिकता से आगे बढ़ाने के लिए निगम का यह फैसला कारगर साबित होगा। यह महज इलेक्ट्रिक वाहन चलाने की पहल नहीं, बल्कि सैलानियों के आतिथ्य में सब कुछ भरने की कोशिश है। दिव्य हिमाचल के इस बार के डिजिटल सर्वेक्षण में अस्सी प्रतिशत प्रतिभागियों ने ओला-उबर जैसी बुकिंग के आधार पर टैक्सी सेवाएं शुरू करने पर जोर दिया है। हिमाचल के लिए सडक परिवहन, रेल सेवा तथा हवाई उड़ानें अगर सुधर जाएं, तो आने वालों के अनुभव बेहतर हो जाएंगे। कुछ ऊंचे स्थानों को छोड़ दें, तो हिमाचल में पर्यटक को खान-पान तथा शापिंग में उचित दरें ही मिलती हैं, लेकिन स्थानीय परिवहन के नाम पर टैक्सी सेवाएं निराश करती हैं। अगर टूरिज्म के होटल अपने पैकेज और स्टे के साथ घूमने, सैरसपाटा करवाने तथा साइट सीइंग की मेजबानी कर पाएं, तो पर्यटन का परिवार स्थापित होगा। कायदे से हर सरकारी होटल को सैलानियों के अनुभव व स्टे का विस्तार करने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर काम करना चाहिए। प्रत्येक सरकारी होटल अपने परिवेश के बीस-पच्चीस किलोमीटर क्षेत्रफल को सर्विस एरिया के तरह पर्यटन योजना क्षेत्र मानें, तो सैलानियों के टूअर सीधे होटल की जवाबदेही बढ़ाएंगे। इस संदर्भ में पर्यटन निगम की मार्केटिंग में आधारभूत सुविधाएं, गतिविधियां व इवेंट भागीदारी के कई द्वार खुलने चाहिएं। पर्यटन विभाग, निगम, स्थानीय प्रशासन व कई विभागों के साथ मिलकर सैलानियों की गतिविधियों की रूपरेखा को नए सिरे से अंगीकार करना होगा। उदाहरण के लिए नमस्ते धर्मशाला के तहत कुछ समय पहले एक खंड विकास अधिकारी ने पर्यटकों के साथ पूरे-पूरे दिन की यात्राएं जोडकर स्वयं सहायता समूहों, लोक कलाकारों व स्थानीय खान-पान, संस्कृति व उत्पादों को प्रोमोट किया था। ऐसे में स्थानीय बाजारों, व्यापार मंडलों व पारंपरिक हथकरघा उद्योगों को भी पर्यटन मार्केट के साथ जोडे की सुविधाएं व समाधान तराशने होंगे। पर्यटक केवल साइट सीइंग करके ही न लौटें, इनके लिए प्रमुख बाजारों को वाहन रहित बनाने के लिए प्वाइंट टू प्वाइंट इलेक्ट्रिक कार्ट चलाने चाहिएं। यहां एचआरटीसी को भी ऐसे कार्ट व इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवाओं की नियमित सेवाएं प्वाइंट टू प्वाइंट शुरू करनी होंगी।

पाकिस्तान युद्ध के संकेत!

जम्मू-कश्मीर में राजौरी, पुंछ और सांबा के इलाकों में, सीमापार से, 8-10 ड्रोन उड़ते देखे गए। सेना तुरंत हरकत में आई और एंटी ड्रोन सिस्टम सक्रिय किया गया, उतनी ही देर में वे गायब हो गए। सीमा पर भारत की सेना हाई अलर्ट की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण-रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे। पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को मिट्टी-मलबा कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा।

जर्जर सड़क से परेशान देवीपुर के ग्रामीण, पक्की सड़क के लिए विधायक से मिले

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले मुख्यालय से महज 3 किमी की दुरी पर बसा हुआ ग्राम पंचायत देवीपुर - पम्पापुर का ऐसा मुख्य सडक मार्ग जो आजादी के बाद से आज तक सडक के नाम पर केवल डब्लूबीएम बनकर रह गया है।

लगभग 3 किमी इस सडक के किनारे एक बहुमूल्य, शिक्षित, टैक्सपेयर श्रेणी वाले एक घनी जनसंख्या निवास करता है तथा सैंकड़ो की संख्या में रोजाना इस सडक से लोगों का आवागमन होता है। चूँकि सदियों से यहाँ के लोगों के आवागमन का यही एक मुख्य मार्ग रहा है, फिर भी दो ग्राम पंचायतो के अधीनस्थ होने से इस सडक का विकास नहीं सका है। इस सडक का लगभग आठ सौ मीटर की लम्बाई ग्राम पंचायत पम्पापुर में और लगभग 2.2 किमी की लम्बाई ग्राम पंचायत देवीपुर में

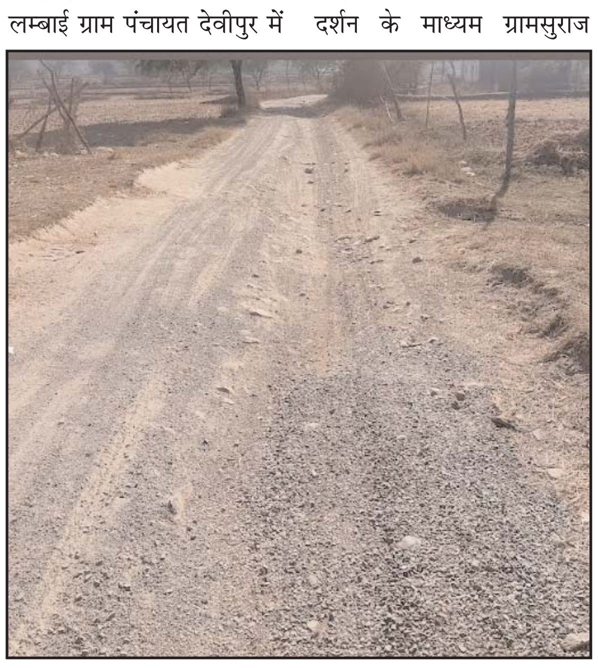

आता है। इस उदासीन सडक के जीर्णोद्धार एवं नवनिर्माण के लिए मतदाताओं के द्वारा कई बार ग्रामसभा के माध्यम जन दर्शन के माध्यम ग्रामसुराज जनसुराज के माध्यम से विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं शासन-प्रशासन को अवगत कराया जा चूका है, फिर भी स्थिति आजतक जस का तस बना हुआ है। बरसात के दिनों में इस मुख्य सडक की दसा इतनी ख़राब हो जाति है की चार-पहिया वाहन छोड़िये साहब,दो पहिया सायकल भी सुचारु रुप से पार नहीं हो पाता है यह इतने कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो जाता है की लोगों को सोचना पड़ता है की अपने जीवकोपार्जन हेतु अपने कार्य के लिए घर से बाहर निकले कैसे..? गुरुवार को विधयाक भुलन सिंह मरावी से वरिष्ठ समाज सेवी एवं ग्राम पंचायत देवीपुर की वर्तमान उपसरपंच प्रमिला सिंह केराम के मार्गदर्शन में दोनों ग्राम पंचायत के सरपंच एवं युवाओं ने उनके निज निवास स्थान ग्राम पटना में जाकर मुलाकात किया इस मुलाकात में देवीपुर महामाया घुटरी चौक से कँवरपारा - साहूपारा होते हुए पम्पापुर तालाब चौक तक प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजनान्तर्गत 3 किमी सडक बनाने हेतु क्षेत्र के विधायक का ध्यानाकर्षन करते हुए विशेष चर्चा भी हुआ।चर्चा के दौरान सडक निर्माण हेतु विधयाक का आश्वासन भी प्राप्त हुआ है। अपने आश्वासन में उन्होंने कहा है की जल्द ही संबंधित विभाग के माध्यम से उक्त लोकेशन पर स्थित खस्ताहाल सडक का सर्वेक्षण का कार्य कराया जायेगा और जनहित में जो ठीक हो, जिस माध्यम से बन पड़े सडक बनाकर उदासीन सडक का नवनिर्माण एवं जीर्णोद्धार का कार्य कराया जायेगा.

बैठक में रमन साहू के साथ, पम्पापुर सरपंच भागवत पैकरा, देवीपुर सरपंच अवध सिंह, शैलेन्द्र साहू समेत अन्य साथी भी मौजूद रहें।

जिला अस्पताल को कायाकल्प योजना में मिला प्रदेश में पहला स्थान

4 सामु., 36 प्रा. स्वा. केन्द्र एवं 99 आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी हुए सम्मानित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कायाकल्प स्वच्छ अस्पताल योजना 2024-25 के अंतर्गत यहां के जिला चिकित्सालय ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिला चिकित्सालय ने 94.9 प्रतिशत अंक अर्जित कर यह उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता कलेक्टर एस. जयवर्धन के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ के.डी.पैकरा एवं सिविल सर्जन डॉ अजय मरकाम के निर्देशन में जिले में निरंतर सुदृढ़ की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का परिणाम है।

कायाकल्प योजना के परिणामों में जिले के चार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैयाथान, प्रतापपुर, बिश्रामपुर एवं लटोरी सहित 36 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा 99 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों ने भी 70 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त किया है। यह जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। उल्लेखनीय है कि कायाकल्प योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थाओं में स्वच्छता, साफ सफाई एवं संक्रमण नियंत्रण के उच्च मानकों की स्थापना करना है। इसके अंतर्गत ऐसी सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाता है, जो निर्धारित मानक प्रोटोकॉल का प्रभावी रूप से पालन करते हुए अनुकरणीय कार्य करती हैं। साथ ही योजना के माध्यम से स्वच्छता के सतत मूल्यांकन एवं सहकर्मी समीक्षा की संस्कृति को भी विकसित किया जाता है।

जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर प्रशासन की कार्रवाई, अवैध धान जप्ती कर पोल्ट्री फार्म व मंडी गोदाम किया गया सील

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन लगातार सघन कार्रवाई कर रहा है। परंतु धान के अवैध कारोबारी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे है।

बताया गया है कि विगत दिवस जिले के तहसील प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम चंदौरा में प्रदीप जायसवाल के पोल्ट्री फार्म में अवैध रूप से धान का भंडारण पाए जाने पर बड़ी कार्रवाई की गई है। जांच के दौरान पोल्ट्री फार्म परिसर से 500 बोरी धान, बाहर खड़े ट्रैक्टर से 130 बोरी धान तथा 28 गट्ठर खाली जूट बोरी बरामद की गई। अवैध भंडारण पाए जाने पर धान जब्त करते हुए पोल्ट्री फार्म को सील कर

दिया गया। इस कार्रवाई में एसडीएम प्रतापपुर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, फूड इंस्पेक्टर, राजस्व निरीक्षक, पटवारी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम शामिल रही। इसी क्रम में जेडी राइस मिल, शांतिनगर का भी भौतिक सत्यापन किया गया। जांच में मिल परिसर से 2000 बोरी चावल एवं 550 बोरी धान तथा कृषि उपज मंडी समिति गोदाम में 3000 बोरी धान पाया गया। ऑनलाइन स्टॉक की तुलना में 15643 बोरी धान कम पाया गया। गंभीर अनियमितता को देखते हुए गोदाम को सील कर दिया गया तथा भौतिक सत्यापन में प्राप्त चावल एवं धान को जप्त किया गया। इसके अतिरिक्त विगत रात्रि रामानुजनगर क्षेत्र में अवैध रूप से धान का परिवहन करते पाए जाने पर वाहन सहित लगभग 70 बोरी धान जप्त कर थाना रामानुजनगर में सुरक्षार्थ सुपुर्द किया गया।

कोयला चोरी मामले में फरार वाहन मालिक को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। खदान से कोयला चोरी के मामले में फरार वाहन मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया है कि 30 दिसंबर को गायत्री भूमिगत खदान गेतरा के सिक्यूरिटी गार्ड मनीष सिंह द्वारा कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया कि खदान में घुसकर कोयला चोरी कर ट्रेलर क्रमांक सीजी 15 एसी 4616 में भरकर चालक ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 305(ए), 331(4), 3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। उक्त तिथि को मुखबीर की सूचना पर थाना विश्रामपुर पुलिस के द्वारा ट्रेलर वाहन को पकड़कर वाहन चालक रमेन्द्र यादव केनापारा तथा उसके बगल में बैठे व्यक्ति

प्रताप सिंह लैंगा उदयपुर को होना बताए जिनसे ट्रेलर में लोड कोयला का दस्तावेज मांगने पर कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर धारा 4/25 धारा 35(1-5)/303(2) के तहत कार्यवाही कर 24 टन कोयला व ट्रेलर वाहन जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और इसकी सूचना समस्त थाना प्रभारियों को दी गई। कोतवाली पुलिस को सूचना प्राप्त होने पर न्यायालय के आदेश पर उक्त मामले की डायरी थाना विश्रामपुर से मंगाई गई और अपने थाना में पंजीबद्ध अपराध में शामील किया गया। प्रकरण में वाहन स्वामी व 1 अन्य व्यक्ति फरार थे जिनकी पतासाजी की जा रही थी। कोतवाली पुलिस ने प्रकरण की विवेचना के दौरान गुरुवार को मुखबीर की सूचना पर ट्रेलर वाहन के स्वामी संदीप जायसवाल 40 वर्ष ग्राम बतरा चौकी करंजी को दबिश देकर पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने कोयला चोरी करवाना स्वीकार किया जिसे विधिवत् गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में निरीक्षक राजेन्द्र साहू, एसआई अश्वनी पाण्डेय, सुमंत पाण्डेय, प्रधान आरक्षक शिवकुमार सक्रिय रहे।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ा नवगई का वन धन केंद्र, विकास की उम्मीदों पर फिर रहा पानी, मवेशियों का तबेला बना परिसर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। आदिवासियों और ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति सुधारने के उद्देश्य से बनाया गया %वन धन केंद्र नवगई% आज खुद अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। करोड़ों की लागत और बड़े लक्ष्यों के साथ शुरू किया गया यह केंद्र वर्तमान में पूरी तरह उपेक्षा और अवैध अतिक्रमण का शिकार हो चुका है। ताजा तस्वीरों से साफ जाहिर होता है कि केंद्र का परिसर अब सरकारी कामकाज के बजाय निजी इस्तेमाल के लिए उपयोग हो रहा है। केंद्र के ठीक सामने भारी मात्रा में ईंटें और निर्माण सामग्री डंप कर दी गई है। इतना ही नहीं, सरकारी भवन के साये में अब मवेशी बांधे जा रहे हैं, कि लंबे समय से यहाँ कोई आधिकारिक गतिविधि नहीं हुई है। खिड़की-दरवाजे बंद पड़े हैं

जिससे यह केंद्र किसी प्रशिक्षण केंद्र के बजाय एक निजी तबेले जैसा नजर आने लगा है। भवन की दीवारों पर जमी काई और चारों ओर फैली कटीली झाड़ियां इस बात का प्रमाण हैं और रखरखाव के अभाव में भवन जर्जर हो रहा है। स्थानीय संग्राहकों का कहना है कि यह केंद्र उनकी उपज जैसे महुआ, हर्रा बहेड़ा चिरौंजी और अन्य वनोपज को सही दाम दिलाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए था। लेकिन अतिक्रमण और अधिकारियों की लापरवाही के कारण यह केवल एक ढांचा बनकर रह गया है। अगर समय रहते इस अतिक्रमण को नहीं हटाया गया और केंद्र को सक्रिय नहीं किया गया, तो सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना पूरी तरह विफल हो जाएगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि परिसर को तुरंत खाली कराया जाए और यहाँ वनोपज प्रसंस्करण का कार्य पुनः शुरू किया जाए।

कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) बलरामपुर
जिला: बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक / 3235 / निर्माण / आ.वि. / 2026 — बलरामपुर, दिनांक 13.01.26926

छ.ग. के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्य के लिए कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) बलरामपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में नीचे दर्शाये गये विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत डी-श्रेणी एवं इससे ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन दर अनुसूची जो दिनांक 01.01.2015 एवं विद्युतीकरण दर अनुसूची जो दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील है, (समस्त संशोधन सहित) एस.ओ.आर. पद्धति में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर दिनांक 02.02.2026 समय 23:59 बजे तक ऑनलाईन प्रथम ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	ऑनलाईन निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अमानत राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6
1	183219	कन्या आश्रम सवनी में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
2	183224	बालक आश्रम सीतारामपुर में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
3	183225	बालक आश्रम चूनापाथर में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
4	183228	आदिवासी बालक आश्रम करंवा में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
5	183229	पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम डांड़खड़ुंवा में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
6	183232	पहाड़ी कोरवा बालक आश्रम पतरापारा में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
7	183236	आदिवासी बालक आश्रम डीपाडीहकला में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
8	183238	कन्या आश्रम रामनगर में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
9	183242	कन्या आश्रम चलगली में क्लासरूम का निर्माण	19,39,840	14,600	04 माह
		योग:-	1,74,58,560		

निविदा की सामान्य शर्तें एवं अन्य जानकारी वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास
बलरामपुर-रामानुजगंज

जी-252606082/1

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-177-25-26, दिनांक: 09/1/2026

कार्य: बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता/ उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बड़े और छोटे पुलों के अप्रोच में ऊंचे किनारों की कटिंग और चौड़ीकरण, सेस में सुधार, ट्रॉली रिफ्यूज और अन्य सुरक्षा कार्य। **निविदा मूल्य (रू.): 12,19,36,231/-, अमानत राशि (रू.): 7,59,700/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।**

क्र.सं. (2) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-178-25-26, दिनांक: 09/1/2026

कार्य: बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता/ उत्तर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बी एस पी के टी एन सेक्शन में (i) घुंघुटी, सिंहपुर, लोरहा और चंदिया रोड रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म ऊंचा करने और (ii) घुंघुटी, सिंहपुर, और मुडारिया रेलवे स्टेशनों का उन्नयन और सुधार करने का प्रावधान। **निविदा मूल्य (रू.): 9,17,83,920/-, अमानत राशि (रू.): 6,08,900/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।**

क्र.सं. (3) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-179-25-26, दिनांक: 09/1/2026

कार्य: बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता मनेंद्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत (i) मौहारी, धुरवासिन, हरद, बिजुरी, बैहाटोला, मनेंद्रगढ़, पाराडोल, बोरीडांड, उदालकछार और कमलपुरग्राम रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने का प्रावधान और (ii) मौहारी, धुरवासिन, हरद, कोतमा, बैहाटोला, बोरिडांड, मनेंद्रगढ़, पाराडोल, चिरमिरी, दर्रीटोला जंक्शन, नगर, बैकुंठपुर रोड, कटोरा, शिवप्रसाद नगर, सूरजपुर रोड, करौंजी, बिश्रामपुर और कमलपुरग्राम का उन्नयन और सुधार करने का प्रावधान। **निविदा मूल्य (रू.): 21,25,14,388/-, अमानत राशि (रू.): 12,12,600/-, कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह। निविदा जमा करने की आरंभ तिथि:-** दिनांक: 19.01.2026, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि:-** दिनांक: 02.02.2026 के 11:00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

वरि. मंडल अभियंता (उत्तर)
सीपीआर/10/615 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

शिक्षा की गुणवत्ता एवं स्कूलों की व्यवस्था जांचने बीईओ ने किया स्कूलों का निरीक्षण, दिये आवश्यक निर्देश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकास खंड ओड़गी अंतर्गत संचालित शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक व्यवस्था तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीईओ प्रदीप सिंह द्वारा आकस्मिक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का दौरा कर विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की नियमितता, कक्षा शिक्षण की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम की प्रगति, शिक्षण-अधिगम सामग्री के उपयोग, अभिलेख संधारण, मध्यान्ह भोजन योजना की स्थिति तथा विद्यालय परिसर की स्वच्छता व्यवस्था का विस्तारपूर्वक अवलोकन बीईओ द्वारा किया गया। निरीक्षण में कुछ विद्यालयों में शैक्षणिक गतिविधियाँ, नवाचार एवं शिक्षकों की सहभागिता संतोषजनक पाई गई। वहीं कुछ विद्यालयों में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति, अभिलेखों के अद्यतन न होने एवं शिक्षण कार्य में अपेक्षित सुधार की आवश्यकता भी सामने आई। इस पर विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री सिंह द्वारा संबंधित विद्यालयों के प्रधानपाठकों एवं शिक्षकों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रधानपाठकों एवं शिक्षकों को नियमित कक्षा संचालन, समयबद्ध पाठ्यक्रम पूर्ण करने, सतत एवं समग्र मूल्यांकन को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में गुणात्मक सुधार लाने पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए गए। साथ ही मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए भी सख्त हिदायत दी गई। बीईओ ने स्पष्ट किया कि विकास खंड के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से इस प्रकार के आकस्मिक निरीक्षण भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे, ताकि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता बनी रहे और विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल
अधिसचूना

द.पू.म. रेलवे बिलासपुर मंडल के परिचालन विभाग में मासिक वेतन के आधार पर प्वाइंट्समेन पद में कार्य करने के लिये संविदा आधार पर 261 पूर्व सैनिकों से आवेदन मंगाए गये हैं, जिसका विवरण नीचे दिया गया है –

क्रम संख्या	विभाग	पद	कुल खाली पद	पे लेवल	नियम और शर्तें
01.	परिचालन	Pointsman	261	1	केवल पूर्व सैनिकों के लिये

नोट:– साधारण डाक द्वारा आवेदन के लिफाफे पर "पूर्व सैनिकों को संविदा आधार पर पॉइंट्समेन के रूप में भर्ती" शीर्षक लिखकर व. मंडल कार्मिक अधिकारी , द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर–495004. अथवा 2. कवर पर संविदा आधार पर पॉइंट्समैन के रूप में पूर्व सैनिकों की भर्ती हेडिंग लिखकर आवेदन को कार्मिक विभाग में, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, बिलासपुर–495004 में फिजिकली जमा करें।

आवेदन जमा करने की आखिरी तारीख है – 24–01–2026

विस्तृत अधिसूचना एवं आवेदन पत्र का प्रारूप उपलब्ध है: https://secr.indianrailays.gov.in.

a) (Recruitment/News/Press Lease - Recruitment-Bilaspur . b) (Dept./Div. of SECR-Division-Bilaspur-personnel-Notificiation)

सीपीआर/10/FL/613 — सहायक कार्मिक अधिकारी, द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

जिले के चुनगड़ी में आज आयोजित करमा प्रतियोगिता में शामिल होंगे मुख्यमंत्री साय

आयोजन स्थल पहुंचकर मंत्री लक्ष्मी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के ग्राम चुनगड़ी में आज शनिवार को आयोजित होने वाली पारंपरिक कर्मा प्रतियोगिता की तैयारियों

का जायजा लेने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े कार्यक्रम स्थल पर पहुंची थी।

इस भव्य लोक सांस्कृतिक आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को दृष्टिगत रखते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने मंच, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता, पार्किंग सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का सूक्ष्म निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में सभी तैयारियाँ पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि कर्मा प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। मुख्यमंत्री की उपस्थिति से इस आयोजन की गरिमा और भी बढ़ेगी। उन्होंने प्रशासन से यह सुनिश्चित करने को कहा कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले कलाकारों, ग्रामीणों एवं आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इस दौरान कलेक्टर एस. जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ बिजेंद्र सिंह पाटले सहित एसडीएम, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

पांचवीं अनुसूची अंतर्गत आने वाले सरगुजा में ग्रामसभा के निर्णय की उड़ रही धज्जियां

पर्यावरण का विनाश करके खोली जा रही खनन परियोजनाओं पर रोक लगाने आमसभा, रैली में भरी हुंकार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पांचवीं अनुसूची अंतर्गत आने वाले सरगुजा में ग्रामसभाओं के विरोध को दरकिनार करके जल-जंगल-जमीन और पर्यावरण का विनाश करके जबरन खोली जा रही खनन परियोजनाओं पर रोक लगाने शहर के बीटीआई मैदान में आमसभा करके शासन-प्रशासन को ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों, पर्यावरणविदों ने ललकारा और रैली निकाल कर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान हसदेव-मैनपाट सहित संभाग के अन्य जिले में उद्योग स्थापना, कोल खनन के नाम पर चल रही पर्यावरण की विनाशलीला को लेकर जमकर नारेबाजी की गई। खामोसी अब तोड़नी होगी, जुल्म का गर्दन मरोड़ना होगा नारे लगाए।

छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन के संयोजक आलोक शुक्ला ने कहा कि सरगुजा संभाग संविधान की पांचवी अनुसूची में शामिल है। पंचायत उपबंध में समुदाय के संसाधनों, रुढ़िगत परम्पराओं और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण और परिरक्षण के लिए ग्रामसभा को सक्षम बनाया गया है। कानून की धारा में अनुसूचित क्षेत्रों में किसी भी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के पूर्व ग्रामसभा से अनिवार्य परामर्श का प्रावधान करता है। यह भूमि अधिग्रहण के सभी केंद्रीय कानूनों और विधियों पर लागू है। भूमि अधिग्रहण कानून अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण अंतिम विकल्प और अनिवार्य ग्रामसभा सहमति का प्रावधान है। इसके बाद भी छत्तीसगढ़ में राजस्थान राज्य विद्युत निगम उत्पादन लिमिटेड की परसा, केते एक्सटेंशन, एसईसीएल की मदननगर, अमेरा विस्तार सहित रायगढ़ और कोरबा जिलों की खनन परियोजनों के लिए कोल बेयरिंग एक्ट 1957 के तहत ग्रामसभा से सहमति लिए बिना ही भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है, जिससे आदिवासी समुदाय के संविधानिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है। इसी तरह वनाधिकार मान्यता कानून 2006 के तहत वन भूमि के व्यपवर्तन पूर्व वनाधिकारों की मान्यता प्रक्रिया की समाप्ति और ग्रामसभा की लिखित सहमति का अनिवार्य प्रावधान है। प्रावधान का खनन कंपनियों और जिला प्रशासन के द्वारा लगातार उल्लंघन किया जा रहा है। हसदेव के परसा कोल ब्लॉक में ग्रामसभा के फर्जी प्रस्ताव बनाकर वन स्वीकृति हासिल की गई। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की जांच प्रतिवेदन में भी ग्रामसभा प्रस्ताव फर्जी और कूटरचित पाए गए। इसके वाबजूद पुलिस बल लगाकर पेड़ों की गैरकानूनी रूप से कटाई की जा रही है। ऐसी अंधी सरकार उन्होंने अपने जीवन में नहीं देखी, जो सारे कानूनों को दरकिनार करके उद्योगपतियों का मार्ग प्रशस्त कर रही हो। इस दौरान भानू प्रताप सिंह, त्रिभुवन सिंह, प्रितपाल सिंह, अनन्त सिन्हा, जितेन्द्र सोनी, प्रशांत सिंह चीकू, थेओदार लकड़ा, राजेन्द्र बहादुर सिंह, मुरारी गुप्ता, एसआर बुनकर, अमृत, संतोष किस्पोट्टा, आनन्द, चरणप्रीत, सुजान बिंद, देवमति सरूता, रवि सिंह सहित काफी संख्या में हसदेव, मैनपाट बचाओ आंदोलन, संघर्ष समिति, छत्तीसगढ़ बचाओ आन्दोलन से जुड़े लोग और सरगुजा संभाग सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न राज्यों से आए ग्रामीण, बुद्धिजीवी उपस्थित थे।

दरारों से पटा रामगढ़ पहाड़, लाखों पेड़ कट गए

हसदेव अरण्य जैसे जैव विविधता से परिपूर्ण पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र के विनाश से मिनी माता हसदेव बांगो बांध के अस्तित्व पर संकट आ चुका है, मानव और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। सैकड़ों लोग हाथी से कुचलकर मारे जा चुके हैं। वर्ष 2021 में मानव-हाथी संघर्ष को रोकने के लिए भारतीय वन्य जीव संस्थान ने सम्पूर्ण हसदेव क्षेत्र को खनन से मुक्त रखने की अनुशंसा की है। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने जुलाई 2022 को सर्वसम्मति से सभी खदानें निरस्त करने का संकल्प पारित किया है, वाबजूद इसके छत्तीसगढ़ सरकार ने नई केते एक्सटेंशन खनन परियोजना के लिए अनुशंसा जारी कर दी है। वर्तमान में संचालित खदानों में भयानक विस्फोट के कारण प्राचीन धार्मिक आस्था एवं पुरा महत्व का स्थल रामगढ़ पहाड़ दरारों से पट गया है। नई केते एक्सटेंशन खदान चालू करने के लिए छह लाख से अधिक पेड़ कटेंगे और सम्पूर्ण रामगढ़ का विनाश होगा।

पर्यावरण के साथ जल संकट का खतरा मंडरा रहा

प्राकर्तिक सौंदर्य और पर्यटन के क्षेत्र मैनपाट में बाक्साइट की नई खदानों की अनुमति दी जा रही है। इससे न सिर्फ मैनपाट का अस्तित्व खत्म होगा बल्कि अंबिकापुर शहर में पानी गंभीर संकट पैदा होगा। जिस पैमाने पर खनन परियोजनाओं को स्वीकृति दी जा रही है, इससे सरगुजा संभाग सहित सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में जंगलों का भारी विनाश हो रहा है, हमारी जीवनदायिनी नदियां सूख रहीं हैं। जैव विविधता और जीव-जंतु विलुप्त होने के कगार पर हैं। जनजीवन प्रदूषण के दुष्प्रभाव और स्वास्थ संबंधी समस्याएं झेलने को मजबूर हैं। खनन प्रभावित ग्रामीण आदिवासी, किसान, मजदूर, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बुद्धिजीवी नागरिकों ने एक बार पुनः आग्रह किया है कि तत्काल ही जंगलों कटाई पर रोक लगाने का आदेश सरकार दे।

विधानसभा के संकल्प और भारतीय वन्य जीव संस्थान की अनुशंसा का करें पालन

पूर्व आयोग अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने कहा हमारी मांग है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा का संकल्प और भारतीय वन्य जीव संस्थान की अनुशंसा का पालन करते हुए हसदेव अरण्य में नई केते एक्सटेंसन कोल ब्लॉक के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी की गई वन एवं पर्यावरणीय अनुशंसा के अलावा छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जन जाति आयोग की अनुशंसा पर कार्रवाई करते हुए हसदेव के परसा कोयला खदान में पेड़ों की कटाई को रोका जाए एवं वन स्वीकृति निरस्त की जाए। ग्रामसभा की सहमति लिए बिना एसईसीएल की मदनपुर खुली खदान परियोजना एवं अमेरा विस्तार परियोजना की भूमि अधिग्रहण तत्काल निरस्त किया जाए। ग्राम मदननगर में जबरन किए जा रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य को बंद किया जाए। ग्राम घाटबर्रा के ग्रामीणों की सहमति अनुरूप पुनर्वास बिना परसा ईस्ट केते बासेन खनन परियोजना को आगे बढ़ने से रोका जाए। व्यापक सड़क दुर्घटनाओं के मद्देनजर और लेमरू हाथी रिजर्व से हसदेव की खदानों से सड़क मार्ग से जारी कोयला परिवहन को तत्काल बंद किया जाए। परसा पेड़ कटाई के दौरान लक्ष्मणगढ़ निवासी मृतक कमलेश सिद्धार्थ को बैधानिक शासकीय मदद की जाए। धनबाद भारत माला सड़क परियोजना में जशपुर जिला प्रभावित किसानों के लिए भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के पुनर्वास नीति का पालन किया जाए।

ग्रेफाइट सर्वेक्षण का कार्य बंद किया जाए

छत्तीसगढ़ सरकार से मांग की गई है कि बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर तहसील अंतर्गत ग्राम सुरसा, शारदापुर, बड़कगांव, भगवानपुर, इंजानी, गिरवरगंज, बसेरा, मुरका कपिलदेव, शंकरपुर में जारी ग्रेफाइट सर्वेक्षण कार्य बंद किया जाए। मैनपाट में बाक्साइट खनन परियोजना को निरस्त कर वहां की इकोलॉजी को संरक्षित करते हुए ईको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार का अवसर मिले। खनन परियोजनाओं के शांतिपूर्ण विरोध को कुचलकर ग्रामीणों के ऊपर दर्ज किए गए फर्जी आपराधिक मुकदमे वापस लिए जाएं। पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में किसी भी परियोजना की स्वीकृति के पूर्व ग्रामसभाओं से पूर्व संसूचित सहमति के प्रावधान का कड़ाई से पालन किया जाए। वनाधिकार मान्यता कानून का पालन करते हुए आदिवासियों और अन्य परम्परागत वन निवासियों को उनकी वन भूमि से बेदखली बंद की जाए। वर्तमान में संचालित खनन परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण नियमों का कड़ाई के पालन किया जाए एवं सिर्फ स्थानीय युवाओं को स्थाई रोजगार दिया जाए।

37वें सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत जिले में लर्निंग लाइसेंस शिविरों का आयोजन आज से

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 37वें सड़क सुरक्षा माह 2026 के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा सरगुजा राजेश अग्रवाल के दिशा-निर्देशन में आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने तथा सुरक्षित सड़क परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न विकासखण्डों में लर्निंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

आयोजित शिविर के संबंध में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, अंबिकापुर ने बताया कि कार्यालय अंतर्गत पंजीकृत परिवहन सुविधा केन्द्रों के माध्यम से निर्धारित तिथियों एवं स्थलों पर लर्निंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां आम नागरिक लर्निंग लाइसेंस से संबंधित सेवाओं का लाभ सरल एवं सुगम रूप से प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही, शिविरों के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। विकासखण्ड अंबिकापुर में 17 एवं 18 जनवरी को पी.जी. कॉलेज ग्राउंड, 24 जनवरी को महिला कॉलेज अंबिकापुर में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों का संचालन अग्रवाल परिवहन सुविधा केन्द्र, शिवम ऑनलाइन परिवहन सुविधा केन्द्र एवं अभिजीत परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा किया जाएगा। विकासखण्ड लखनपुर में 17 जनवरी को थाना लखनपुर परिसर में विजन परिवहन सुविधा केन्द्र एवं सरगुजा परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा, विकासखण्ड उदयपुर में 17 जनवरी को थाना उदयपुर में सुरभि परिवहन सुविधा केन्द्र एवं महामाया परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा, विकासखण्ड सीतापुर में 17 जनवरी को थाना सीतापुर में अंकित परिवहन सुविधा केन्द्र एवं एक्का परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा, विकासखण्ड लुण्ड्रा में 18 जनवरी को थाना लुण्ड्रा में प्रिंस परिवहन सुविधा केन्द्र एवं पटेल ऑनलाइन परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा, विकासखण्ड बतौली में 18 जनवरी को थाना बतौली में मनसा परिवहन सुविधा केन्द्र एवं गुलशन परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा, विकासखण्ड मैनपाट में 18 जनवरी को थाना मैनपाट में गुप्ता कपिल परिवहन सुविधा केन्द्र एवं सरगुजा परिवहन सुविधा केन्द्र द्वारा शिविर आयोजित किया जाएगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, अंबिकापुर ने बताया कि इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करना, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा युवाओं एवं नए चालकों को सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक करना है।

ब्राह्मण समाज की बैठक में नशा एवं दहेज मुक्त समाज बनाने पर जोर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा 15 जनवरी, गुरुवार को मकर संक्रान्ति का पर्व एवं आम सभा का आयोजन धूमधाम एवं हर्षोल्लास मनाया गया। बैठक में सर्वप्रथम समाज के अध्यक्ष राजेश तिवारी एवं उपस्थित जनों ने भगवान परशुराम को दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। बैठक में पंडित जयराम मिश्र एवं पंडित ललित धर दुबे द्वारा मकर संक्रान्ति पर्व के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। कथावाचक अंजली मिश्रा द्वारा यज्ञोपवीत संस्कार एवं अन्य समाज के उत्थान हेतु कार्य करने की इच्छा जताई गई। भटगांव विधान सभा क्षेत्र की पूर्व विधायक रजनी त्रिपाठी ने समाजहित में हरसंभव आवश्यक सहयोग करने की बात कही। इनके द्वारा घोषित राशि से कमरा निर्माण कराने की बात कही गई। समाज के संरक्षक आर.एन. अवस्थी, आलोक दुबे, कौशलेंद्र पांडेय ने आम सभा के बिंदु दहेज मुक्त विवाह करने समाज से आगे आने का आह्वान किया गया। समाज के संयोजक विकास पांडेय एवं श्री निवासन अयंगर ने नशामुक्त समाज पर प्रकाश डाला। भगवान परशुराम मंदिर के पुजारी पंडित महेंद्र उपाध्याय ने मकर संक्रांति पर्व की सभी को शुभकामनाएं देकर समाजहित में सभी से बढ़-चढ़ कर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। अमेरिका में निवासरत सॉफ्टवेयर इंजीनियर ज्योति पांडेय द्वारा समाज के लिए आवश्यकता अनुसार कार्य करने की बात कही गई। मीना शुक्ला ने प्रतिभावान युवा एवं विद्यार्थियों को सम्मानित करने एवं भवन निर्माण हेतु 11 हजार रुपये देने की घोषणा की। युवा पार्षद राहुल त्रिपाठी ने पार्षद मद से समाज के भवन निर्माण हेतु एक लाख रुपये देने की घोषणा की। बैठक में समाज के विप्र बंधु काफी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सचिव विनोद तिवारी द्वारा एवं आभार प्रदर्शन सह सचिव संजय पाण्डे ने किया।

भैयाथान ब्लॉक कांग्रेस ने वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति जताया आभार

छ.ग.फ्रंटलाइन भैयाथान। भैयाथान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कांग्रेस संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए गए निर्णयों का स्वागत करते हुए उन्हें कार्यकर्ताओं के सम्मान और संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम बताया। प्रेस को संबोधित करते हुए भैयाथान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से विद्यात्री सिंहदेव ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से लिए गए फैसले कांग्रेस की उस सोच को दर्शाते हैं, जिसमें कार्यकर्ताओं के समर्पण, संघर्ष और योगदान को प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने भैयाथान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की ओर से प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन और विश्वास से संगठन को नई दिशा, नई ऊर्जा और नया आत्मविश्वास मिला है, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार हुआ है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिला नेतृत्व के निरंतर सहयोग, समन्वय और संगठनात्मक समर्थन से भैयाथान ब्लॉक में कांग्रेस संगठन लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई। कहा गया कि उनका मार्गदर्शन, जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निरंतर सहयोग भैयाथान ब्लॉक के कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा और संबल का स्रोत रहा है। भैयाथान ब्लॉक के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह के योगदान को स्मरण करते हुए कहा गया कि उनके कार्यकाल में संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने और कांग्रेस की विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। उन्हीं प्रयासों की मजबूत नींव पर आज भैयाथान ब्लॉक कांग्रेस संगठन निरंतर आगे बढ़ रहा है। अंत में भैयाथान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश, जिला और वरिष्ठ नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए पार्टी की विचारधारा के अनुरूप जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए गांव-गांव और बूथ-बूथ तक कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त की प्रतिबद्धता को दोहराया।

ट्रिपल इंजन की सरकार ने शहर से गुजरी एनएच की सड़कों के गड्ढों में मलबा तक नहीं डाला

राष्ट्रीय राजमार्ग के नवीनीकरण, रिपेयरिंग की मांग को लेकर देवीगंज रोड में चक्काजाम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के अंदर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की सड़कों के नवीनीकरण और रिपेयरिंग की मांग को लेकर शुक्रवार को युवा कांग्रेस के द्वारा विधानसभा अध्यक्ष शुभम जायसवाल के नेतृत्व में देवीगंज रोड पर सांकेतिक चक्काजाम किया गया। अंबिकापुर शहर के अंदर से गुजरने वाली मनेन्द्रगढ़ रोड, देवीगंज रोड, सदर रोड, रामानुजगंज रोड, स्कूल रोड, खरसिया रोड राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के रख-रखाव के दायरे में आते हैं, जो मोदी सरकार के कैबिनेट मंत्री नितिन गडकरी के विभाग से संबंधित है। पिछले 12 वर्ष से जबसे केंद्र में मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी है तबसे न तो इन सड़कों का नवीनीकरण हुआ है न ही रिपेयरिंग का काम हुआ है। हाल ही में इन सड़कों के रिपेयरिंग का गुणवत्ता हीन कार्य हुआ था, जो मात्र झाड़ू लगाने से उखड़ गया था।

पूर्व में निगम में कांग्रेस सत्तारूढ़ थी तो निगम अपने खर्च से इन सड़कों को कम से कम इस योग्य रखती थी कि जनता को ज्यादा परेशानी न हो, लेकिन तथाकथित ट्रिपल इंजन की सरकार बनने के बाद इन सड़कों के गड्ढों में मलबा तक नहीं डाला गया। बरसात में इन सड़कों के पानी भरे गड्ढों ने नागरिकों को परेशान किया तो अब धूल-धूसरित सड़कें आम लोगों का स्वास्थ्य खराब कर रही है। बरसात के प्रारंभ से ही कांग्रेस और उसके अनुसांगिक संगठनों के द्वारा सड़कों के नवीनीकरण की मांग को लेकर 6 बार चक्काजाम एवं अन्य आंदोलन किए गए, लेकिन नागरिकों की समस्याओं के प्रति भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार संवेदनहीन रवैया अख्तियार कर लिया। चक्काजाम के दौरान चंद्रप्रकाश सिंह, निकी खान, अमित सिन्हा, अमित सिंह सहित युवा कांग्रेस के राहुल सोनी, अनिकेत गुप्ता, शिफतैन, रोहन, अतुल, मनीष, रवि समीर, साहिल, अनुग्रह, आदित्य, मुकेश गुप्ता, राहुल होलू, पवन, सालिक, हर्षवर्धन, सद्दाम, अक्षत, आशुतोष, अनमोल, सक्षम, ओम, राज बंगाला, भोलू, प्रिंस, सुमित रावत, मन्नू, अभिलाष, रेहान, आकाश सिंह, प्रियांशु, रवि मिश्रा, शशि सोनी, सुमित सोनी, जैकी, अभय, लकी, वली, आर्यमान, अंकुश, समीर बोस सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

10 दिनों के बाद युवा कांग्रेस करेगा उग्र आंदोलन

देवीगंज रोड पर चित्रमंदिर के सामने चक्काजाम आंदोलन का नेतृत्व कर रहे युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष और पार्षद शुभम जायसवाल ने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार सड़कों का निर्माण करने के बजाय तारीख पे तारीख दे रही है। यहां के सांसद, विधायक और महापौर ने शहर की जनता को आश्वासन दिया था कि दीपावली के बाद 15 अक्टूबर से सड़कों का काम प्रारंभ होगा और शहर की सड़कों को चकाचक कर दिया जाएगा, लेकिन 15 अक्टूबर की तारीख के तीन माह बीत जाने के बाद भी कोई कार्य नहीं हुआ है। केंद्रीय सड़क और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को भेजे ज्ञापन में युवा कांग्रेस ने कहा है कि 10 दिनों के अंदर शहर की सड़कों का नवीनीकरण नहीं हुआ तो युवा कांग्रेस उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

धान खरीदी में अव्यवस्थाओं को लेकर किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले में धान खरीदी व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर किसान संघ ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से प्रेषित किया, जिसमें धान खरीदी की विसंगतियों को दूर करने और खरीदी की अंतिम तिथि 15 फरवरी तक बढ़ाने की मांग की गई है। किसानों ने कहा है कि धान खरीदी सत्र की शुरुआत से ही भारी अव्यवस्था बनी हुई है। किसानों को कभी टोकन जारी नहीं होने, कभी खरीदी सीमा की लीमिट घटाने और खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्था जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन कारणों से किसान महीनों से अपनी उपज बेचने के लिए भटकने मजबूर हैं। किसान संघ ने आरोप लगाया कि शासन-प्रशासन द्वारा धान खरीदी प्रक्रिया को सुगम बनाने के बजाय भौतिक सत्यापन के नाम पर किसानों की ईमानदारी पर प्रश्नचिह्न लगाया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता इस बात से स्पष्ट है कि खरीदी सत्र समाप्त होने में मात्र 15 दिन शेष हैं, जबकि अब तक लगभग 60 प्रतिशत धान की ही खरीदी हो पाई है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि खाद, बिजली और पानी के लिए पहले से संघर्ष कर रहे किसानों को अब उपज बेचने के समय भी प्रताड़ित किया जा रहा है, जो सीधे तौर पर किसानों के साथ अन्याय है। किसान संघ ने मांग की है कि सभी समितियों में धान खरीदी लिमिट तत्काल प्रभाव से बढ़ाई जाए ताकि प्रत्येक पंजीकृत किसान अपनी उपज समय पर और सम्मानपूर्वक बेच सकें। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। किसान अपना धान और दर्जनों की संख्या में ट्रैक्टर लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे थे।

कलेक्टर औचक पहुंचे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर, देखी व्यवस्था

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शुक्रवार को उदयपुर विकासखण्ड का दौरा किया। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर, धान खरीदी केंद्र डाँड़गांव, तहसील एवं एसडीएम कार्यालय सहित विभिन्न विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम बनसिंह नेताम, जनपद पंचायत सीईओ वेद प्रकाश गुप्ता सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर के औचक निरीक्षण दौरान विभिन्न वार्डों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आधार बेस ऑनलाईन अटेंडेंस के अनुसार सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थिति लगाएं, सभी शासन द्वारा निर्धारित समय में ड्यूटी करें व मुख्यालय में रहें ताकि आमजनों को समय में इलाज मिल सकें। उन्होंने केंद्र में जननी सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को समय में प्रोत्साहन राशि भुगतान हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण दौरान उन्होंने कहा कि पोषण एवं पुनर्वास केन्द्र का संचालन जल्द शुरू किया जाएगा, इस हेतु कार्ययोजना तैयार करें। उन्होंने अस्पताल में दन्त चिकित्सा सेवा हेतु भी आवश्यक तैयारी करने कहा। शासन द्वारा निर्धारित लैब में संबंधित संपूर्ण जांच अस्पताल में उपलब्ध हो, भर्ती मरीजों को गुणवत्ता पूर्ण भोजन प्रदाय किया जाए। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों की उपलब्धता की जानकारी ली तथा कहा कि जल्द ही केंद्र में डी.एम.एफ. के माध्यम से चिकित्सक, विशेषज्ञ चिकित्सक की भर्ती की जाएगी।

धान खरीदी केंद्र में किसानों से लिया फीडबैक

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्र में टोकन व्यवस्था, धान उठाव, बारदाना उपलब्धता, रकबा समर्पण, डीओ, तौल सहित संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं कि जाएगी। उन्होंने उपस्थित किसानों से व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

एसडीएम, तहसील कार्यालय का निरीक्षण कलेक्टर इस दौरान एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय एवं नायब तहसीलदार कार्यालय उदयपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने विवादित प्रकरणों, अविवादित प्रकरणों को जल्द से जल्द निराकृत करने के निर्देश दिए। कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा करके राजस्व मामलों फौती, नामांतरण, बंटवारा के लंबित प्रकरणों, आरबीसी 6-4, जाति आय, निवास प्रमाणपत्र के प्रकरणों की जानकारी ली तथा लंबित प्रकरणों को समय सीमा में शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में भी पहुंचे

कलेक्टर ने प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला फुलचुहि का निरीक्षण कर शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय परिसर, कक्षाओं सहित शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देने शिक्षकों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों से बात की तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र हरिजनपारा में बच्चों की उपस्थिति, कुपोषित बच्चों की संख्या व बच्चों को दिए जा रहे पौष्टिक आहार की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर एनआरसी भेजना सुनिश्चित करें। बच्चों हेतु समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें, आंगनबाड़ी सहायिका एवं कार्यकर्ता समय पर केंद्र में उपस्थित रहें।

बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया गांधीनगर थाना क्षेत्र का शुभम सिंह पिता मंगल राम 21 वर्ष, दो दिन पहले अपने घर में तातापानी जा रहा हूं, कहकर मोटरसायकल से निकला था। तातापानी से वापस आने के बाद गांव में ही मोटरसायकल से घूम रहा था। इसी बीच घंघरी मेन रोड में किराना दुकान के पास एक बाइक से भिड़ंत हो गई, जिसमें शुभम सिंह को गंभीर चोटें आई थी, वहीं दूसरे बाइक में सवार युवक को मामूली चोट आई थी। घायल युवक को होली क्रॉस अस्पताल लाया गया, यहां इलाज के दौरान 15 जनवरी को रात 9.45 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर